प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

यूनिक समय

INS ACCREDITED
यूनिकॉम एडवरटाइजिंग
unicomadvertising.com

डीएवीपी द्वारा मान्यता प्राप्त
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026–28

Sweety BY MR GROUP Presents
Unique Samay Update
uniquesamay.com

वर्ष-4 | अंक-130 | सांध्य दैनिक | मथुरा, सोमवार, 6 जुलाई 2026 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | X.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

अब मोबाइल एप बताएगा बुजुर्गों को जीने का नया तरीका

यूनिक समय, मथुरा। वरिष्ठ नागरिकों के कल्याण और उन्हें सरकारी सुविधाओं से सरलता से जोड़ने के उद्देश्य से केंद्र सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय ने 'जीवन' और 'शतायु' मोबाइल एप लॉन्च किए हैं। इन दोनों एप का उद्देश्य बुजुर्गों को विभिन्न सरकारी योजनाओं, स्वास्थ्य सेवाओं, सहायता कार्यक्रमों और शिकायत निस्तारण जैसी सुविधाओं तक आसान पहुंच उपलब्ध कराना है। इस पहल का लाभ मथुरा जिले के करीब दो लाख से अधिक वरिष्ठ नागरिकों को भी मिलने की उम्मीद है।

मंत्रालय के अनुसार 'जीवन' एप को वरिष्ठ नागरिकों के लिए एकीकृत

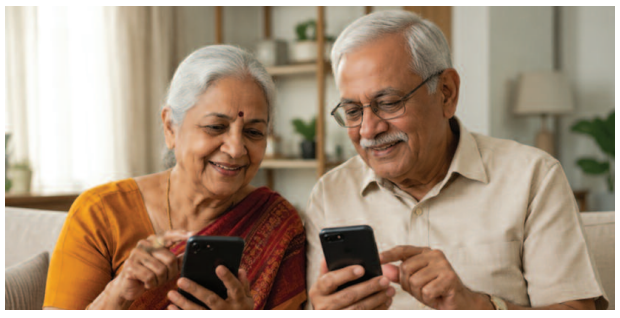

डिजिटल प्लेटफॉर्म के रूप में विकसित किया गया है। इसके माध्यम से बुजुर्ग विभिन्न सरकारी योजनाओं, पेंशन, देखभाल सेवाओं, हेल्पलाइन, डे-केयर सेंटर, वृद्धाश्रम, स्वास्थ्य संबंधी सहायता और अन्य कल्याणकारी कार्यक्रमों की जानकारी एक ही स्थान पर प्राप्त कर सकेंगे। साथ ही जरूरत पड़ने पर संबंधित सेवाओं तक पहुंच बनाना भी आसान होगा।

वहीं 'शतायु' एप का उद्देश्य वरिष्ठ नागरिकों के स्वस्थ, सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन को बढ़ावा देना है। इसके जरिए बुजुर्गों को स्वास्थ्य संबंधी

वृद्धजनों का जीवन होगा शतायु, एप बनेंगे मददगार

वरिष्ठ नागरिकों को जीने की राह दिखाएंगे दो एप

मथुरा के बुजुर्गों को मिलेगी डिजिटल सहायता

उपयोगी जानकारी, सक्रिय जीवनशैली अपनाने के सुझाव, सरकारी कार्यक्रमों की जानकारी और समय-समय पर उपलब्ध कराई जाने वाली सुविधाओं से जोड़ा जाएगा। डिजिटल माध्यम से सेवाओं की उपलब्धता बढ़ने से बुजुर्गों को सरकारी कार्यालयों के चक्कर लगाने की आवश्यकता भी कम होगी।

मथुरा जैसे धार्मिक और सांस्कृतिक शहर में करीब दो लाख से अधिक वरिष्ठ नागरिक निवास करते हैं, जिनमें से करीब 68 हजार राज्य सरकार की वृद्धावस्था पेंशन का लाभ भी लेते हैं, जबकि अनेक बुजुर्ग श्रद्धालु और सेवानिवृत्त लोग वृंदावन और आसपास के क्षेत्रों में रहते हैं। ऐसे में इन दोनों एप के माध्यम से उन्हें सरकारी योजनाओं और सहायता सेवाओं तक पहुंच बनाने में सुविधा मिल सकती है। सामाजिक संगठनों का मानना है कि यदि स्थानीय स्तर पर जागरूकता अभियान चलाकर बुजुर्गों और उनके परिजनों को इन एप के उपयोग का प्रशिक्षण दिया जाए, तो अधिक से अधिक लोग इनका लाभ उठा सकेंगे।

वृद्धजनों के लिए काम कर रहे राजेश दीक्षित का कहना है कि डिजिटल पहल तभी सफल होगी, जब तकनीक के साथ मानवीय सहयोग भी तय किया जाए। इसलिए मथुरा में सामुदायिक केंद्रों, जन सेवा केंद्रों और स्वयंसेवी संस्थाओं के माध्यम से वरिष्ठ नागरिकों को एप डाउनलोड करने, पंजीकरण कराने और सेवाओं का उपयोग करने में सहयोग दिया जाना चाहिए। इससे सरकार की वरिष्ठ नागरिक कल्याण योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक प्रभावी ढंग से पहुंच सकेगा।

वृंदावन पहुंचना अब और होगा आसान

जैंत से लेकर यमुना एक्सप्रेस-वे तक नए मार्ग को मिली मंजूरी

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, वृंदावन। मंदिरों की नगरी में आने वाले श्रद्धालुओं के वाहनों से लगने जाम को देखते हुए केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित ग्राम जैंत से लेकर यमुना एक्सप्रेस वे तक नए सिक्स लेन के सड़क मार्ग को मंजूरी दे दी है।

केंद्रीय सड़क एवं राजमार्ग मंत्रालय की ओर से जारी अधिसूचना में इसकी जानकारी दी गई है। यह अधिसूचना सोशल मीडिया पर बड़ी तेजी से वायरल हो रही है। अधिसूचना जारी होते ही जैंत से लेकर ग्राम बेलवन, जहांगीरपुर और बेगमपुर समेत कई और गांवों की भूमि की दरें अब आसमान छू जाएंगी। वजह है कि प्रशासन सिक्स लेन के लिए भूमि अधिग्रहण करेगी। अधिसूचना जारी होने के साथ प्रशासनिक टीम भूमि सर्वेक्षण के लिए सक्रिय हो जाएगी। चर्चा है कि

सरकार की योजनाओं पर नजर रखने वाले लोगों ने इस मार्ग पर पहले से कृषि भूमि की खरीदारी शुरु कर दी है। यदि सरकार इन खरीदारों की भूमि को

बेलवन, जहांगीरपुर और बेगमपुर होकर निकलेगा सिक्स लेन मार्ग

अधिग्रहण करती है तो उनको काफी मोटी धनराशि मिलेगी। हालांकि इस सिक्स लेन के मार्ग बनने से यमुना एक्सप्रेस वे और राष्ट्रीय राजमार्ग से वृंदावन आने वाले श्रद्धालुओं को काफी राहत मिलेगी। वह भीड़ भाड़ और जाम से बचते हुए सीधे यमुना पार बनने वाले पार्किंग स्थल तक पहुंच जाएंगे। दूसरी ओर यह भी कयास लगाए जा रहे हैं कि इस सिक्स लेन के बनने से बेलवन और जहांगीरपुर समेत कई ग्रामों के आसपास के क्षेत्र का विकास हो जाएगा। हो सकता है कि सिक्स लेन के आसपास भी कई बड़े प्रोजेक्ट भी आ जाएं।

साइबर सेल ने ठगों से वापस कराए 54,930 रुपये

यूनिक समय, मथुरा। साइबर सेल ने साइबर ठगों द्वारा ठगी गई 54,930 रुपये की रकम वापस पीड़ित को दिलाया।

साइबर ठगों द्वारा झांसा देकर सत्यवीर सिंह निवासी ग्राम सिमाना थाना राया की इन्वेटर बैटरी खराब होने पर उसने गूगल सर्च इंजन के माध्यम से कस्टमर केयर का मोबाइल नबर प्राप्त किया। नंबर पर संपर्क करने के दौरान साइबर ठगों ने सत्यवीर को एक लिंक भेजे गया। लिंक पर क्लिक करते ही उसके खाते से 54,930 रुपये

पीड़ित को लिंक भेज कर की गई थी ठगी

की धनराशि अवैध तरीके से निकाल ली गई। पीड़ित ने इस मामले की शिकायत साइबर सैल में की। साइबर सैल की टीम ने तुरंत संबंधित बैंक और वित्तीय संस्थाओं से समन्यव स्थापित किया गया। साइबर सैल के प्रयासों से सत्यवीर के 54,930 रुपये वापस कराए गए।

डिजिटल पढ़ाई की आड़ में बढ़ रहे बाल अपराध

मोबाइल से बच्चे सीख रहे हिंसा और अपराध के तरीके

यूनिक समय, मथुरा। डिजिटल शिक्षा का दायरा लगातार बढ़ने की वजह से अब स्कूलों के होमवर्क, असाइनमेंट और ऑनलाइन कक्षाओं के कारण बच्चों के हाथों में मोबाइल पहले से अधिक समय रहने लगा है, लेकिन इसी सुविधा के साथ एक नई चिंता भी सामने आ रही है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की रिपोर्ट के अनुसार, देश में किशोर अपराधों में 11.2 प्रतिशत और साइबर अपराधों में 17.9 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। पहली बार साइबर अपराध का आंकड़ा एक लाख के पार पहुंच गया है। हाल के महीनों में मुहाना में 11 और 12 वर्ष के बच्चों द्वारा अपने दोस्त की हत्या और शिवदासपुरा में एक युवक द्वारा यूट्यूबर पर अपराध से जुड़े वीडियो देखकर हत्या की साजिश

रचने जैसे मामले यह संकेत दे रहे हैं कि इंटरनेट का गलत उपयोग समाज के लिए गंभीर चुनौती बनता जा रहा है।

उत्तर प्रदेश के मथुरा, आगरा, लखनऊ कानपुर और नोएडा जैसे शहरों में भी बड़ी संख्या में बच्चे पढ़ाई के लिए स्मार्टफोन का उपयोग करते हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि पढ़ाई के बीच यदि बच्चे हिंसक गेम, अपराध आधारित वीडियो और सोशल मीडिया सामग्री देखने लगें, तो उनका मानसिक व्यवहार प्रभावित हो सकता है। मनोवैज्ञानिक डा. गौरव धींगरा का कहना है कि बच्चों का स्क्रीन टाइम सीमित होना चाहिए। अभिभावकों को पैरेंटल कंट्रोल का उपयोग करना चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि

एनसीआरबी रिपोर्ट ने बढ़ाई अभिभावकों की चिंता

ऑनलाइन हिंसक सामग्री बदल रही बच्चों की सोच

अभिभावकों की सतर्कता बनी सबसे बड़ी जरूरत

बच्चे केवल शैक्षणिक सामग्री तक ही सीमित रहें, उन्हें खेलकूद, पुस्तक पढ़ने, संगीत और रचनात्मक गतिविधियों से जोड़ना भी जरूरी है।

विशेषज्ञों का मानना है कि उत्तर प्रदेश में डिजिटल शिक्षा का लाभ तभी सार्थक होगा, जब मोबाइल बच्चों के लिए ज्ञान का माध्यम बने, अपराध सीखने का नहीं।

समाधान की उम्मीद लेकर तहसीलों में पहुंचे फरियादी

गोवर्धन तहसील के समाधान दिवस पर फरियादियों की शिकायतें सुनते एसपी ग्रामीण सुरेश रावत।

अधिकारियों ने सुनीं शिकायतें, दिया त्वरित समाधान का भरोसा

कई मामलों का मौके पर हुआ तुरंत निस्तारण

यूनिक समय, मथुरा। जिले की सभी तहसीलों में यूपी पात्रता परीक्षा (टेट) के कारण इस बार संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन शनिवार के बजाय सोमवार को हुआ। समस्याओं का समाधान पाने को फरियादी आए। अधिकारियों ने शिकायतों को सुना और समाधान का भरोसा दिया।

छाता समाधान दिवस एसडीमए वैभव गुप्ता की मौजूदगी में हुआ, जिसमें 34 शिकायतें दर्ज की गईं, दो का मौके पर ही निस्तारण हुआ। इस मौके पर तहसीलदार सचिन पवार ,सीओ भूषण वर्मा, नायब तहसीलदार रूबी यादव, नायब तहसीलदार अनमोल गर्ग, बीडीओ चौमुंहा भूदेव प्रसाद लवानिया, बीडीओ छाता विवेक, बीडीओ नंदगांव मुकेश कुमार आपूर्ति निरीक्षक मोहन प्रकाश उपाध्याय, राजस्व निरीक्षक अमर सिंह, योगेंद्र, बेचैन सिंह, हीरा लाल और हरिश्चंद आदि मौजूद थे।

मांट तहसील सभागार में एसडीएम मांट दीपिका मेहर,सीओ मांट अमर नाथ यादव की मौजूदगी विभिन्न विभागों से संबंधित कुल 39 शिकायती प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए, चार शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण कर फरियादियों को राहत दी। इस मौके पर तहसीलदार सुशील कुमार गुप्ता, बीडीओ मांट, नायब तहसीलदार समेत विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

गोवर्धन तहसील के सभागार में एसपी ग्रामीण सुरेश रावत और एडीएम प्रशासन अमरेश कुमार ने फरियादियों की शिकायतों को सुन कर उनका समाधान किया। इस मौके पर सात शिकायतें आई, तीन का मौके पर समाधान किया गया। इस मौके पर विभिन्न विभागों के अधिकारी भी मौजूद रहे।

समाधान दिवस में भड़के किसान नेता बल्देव बीडीओ पर लगाए उपेक्षा के आरोप

यूनिक समय, मथुरा। तहसील महावन में सोमवार को आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस के दौरान किसान नेता देवेंद्र पहलवान प्रशासनिक व्यवस्था को लेकर नाराज हो गए। उन्होंने बल्देव की बीडीओ नेहा रावत पर किसानों समस्याओं की अनदेखी करने का आरोप लगाया।

देवेंद्र पहलवान ने अधिकारियों के समक्ष कहा कि किसान लंबे समय से सिंचाई, जल निकासी, सड़क और विकास कार्यों सहित विभिन्न समस्याओं को लेकर शिकायतें कर रहे हैं, लेकिन बीडीओ स्तर पर उनका समयबद्ध समाधान नहीं किया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि कई प्रार्थना पत्र देने के बावजूद किसानों को केवल आश्वासन मिल रहा है, जबकि जमीनी स्तर पर कोई प्रभावी कार्रवाई दिखाई नहीं दे रही।

संपूर्ण समाधान दिवस में मौजूद एसडीएम आदि अधिकारियों ने किसान नेता की शिकायत को सुना और संबंधित विभाग से पूरे मामले की रिपोर्ट तलब करने के निर्देश दिए। अधिकारियों ने आश्वासन दिया कि किसानों की समस्याओं का नियमानुसार और प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण कराया जाएगा,यदि किसी स्तर पर लापरवाही पाई गई तो आवश्यक कार्रवाई भी की जाएगी।

समाधान दिवस में बड़ी संख्या में फरियादी शिकायतें लेकर पहुंचे, जिनमें राजस्व, विकास, बिजली और पंचायत विभाग से जुड़े मामले प्रमुख रहे। अधिकारियों ने शिकायतों का शीघ्र और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण कराने का भरोसा दिलाया।

जंक्शन पर गुमशुदा युवती बरामद जीआरपी ने परिजनों को सौंपा

यूनिक समय, मथुरा। मंडल सुरक्षा नियंत्रण कक्ष आगरा से सूचना मिलने पर आरपीएफ और जीआरपी मथुरा ने कार्रवाई करते हुए गाड़ी संख्या 11057 से यात्रा कर रही एक गुमशुदा युवती को सकुशल बरामद कर लिया। लड़की के साथ एक युवक भी मिला, जिन्हें आवश्यक कार्रवाई के बाद संबंधित पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, युवती की गुमशुदगी की रिपोर्ट मप्र. जावद थाना में दर्ज थी। सूचना के आधार पर सहायक उपनिरीक्षक रामनरेश यादव, सहायक उपनिरीक्षक मदनलाल और महिला आरक्षक कल्पना पौनिया ने मथुरा जंक्शन पर ट्रेन के पहुंचने पर जनरल कोच की तलाशी ली। इस दौरान फोटो के आधार पर पहचान कर युवती को पकड़ लिया। पूछताछ में युवती ने अपना नाम खुशबू 17 वर्ष निवासी मनासा, जिला नीमच (मध्य प्रदेश) बताया। उसके साथ नीरज सिंह उम्र 22 वर्ष निवासी भवानी नगर, शंकर रोड, इंदौर (मध्य प्रदेश) भी मिला। जीआरपी ने दोनों को सुरक्षित निगरानी में रखकर संबंधित थाना पुलिस को सूचना दी। इसके बाद महिला सहायक उपनिरीक्षक अर्पिता बोहरा संबंधित पुलिस टीम और युवती के परिजनों के साथ मथुरा पहुंचीं। आवश्यक प्रक्रिया पूरी करने के बाद युवती को चाइल्डलाइन के समक्ष प्रस्तुत किया गया, गवाहों की मौजूदगी में सुपुर्दगीनामा तैयार कर युवती और युवक को संबंधित पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया।

वृंदावन में गुरु पूर्णिमा को लेकर तैयारियां शुरु

नगर में होर्डिंग्स लगाने का काम शुरु

तुलसी की माला बनाने को जुटे कारीगर

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, वृंदावन। 29 जुलाई को गुरु पूर्णिमा पर्व मनाने की तैयारियां शुरु हो गई हैं। नगर में जगह-जगह होर्डिंग्स लग गए हैं, जिसमें गुरुजी का फोटो लगा है। यह होर्डिंग्स इस बात पर मुहर लगा रहे हैं कि अधिक मास के बाद भी इस बार गुरु पूर्णिमा पर बड़ी संख्या में शिष्य आएंगे।

सभी छोटे और बड़े आश्रमों में गुरु गद्दी को सजाने के साथ विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन तैयारी चल रही है। संत प्रेमानंद के आश्रम में भी बाहर से आने वाले शिष्यों के लिए गुरु दीक्षा की तारीखों का ऐलान कर दिया है। महावन स्थित रमणेरती आश्रम में कार्ष्णि गुरुशरणानद से गुरु दीक्षा लेने वालों के लिए विभिन्न तारीख तय कर दी है।

वात्सल्य ग्राम में साध्वी ऋतंभरा से गुरु दीक्षा लेने वालों के लिए तैयारियां शुरु हो गई है। यहां भी बड़ी संख्या में शिष्य आएंगे। मंदिरों की नगरी में एकादशी से शिष्यों का आना शुरु हो जाएगा और पूर्णिमा तक रूकने का इरादा होगा। गुरु पूर्णिमा पर तुलसी की माला बड़ा महत्व है। ब्रज में रहने वाले गुरु अपने शिष्यों को मंत्र के साथ तुलसी की माला भी पहनाएंगे। इस कारण तुलसी की माला बनाने वाले कारीगर रात दिन जुटे हुए हैं।

यमुना पूजन संग समाज सेवा का लिया पावन संकल्प

नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने दोहराई सेवा की प्रतिबद्धता

वैदिक मंत्रों संग हुआ यमुना पूजन विधिवत सम्पन्न

यमुना पूजन करते श्री माथुर चतुर्वेद परिषद के नवनिर्वाचित पदाधिकारी और समाज के अन्य बंधु।

यूनिक समय, मथुरा। श्री माथुर चतुर्वेद परिषद के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने मुख्य संरक्षक महेश पाठक की उपस्थिति में विधि-विधान से यमुना पूजन कर समाज सेवा का संकल्प लिया। पदाधिकारियों ने अगले तीन वर्ष तक ईमानदारी, लगन और निष्ठा के साथ समाज हित में कार्य करने का संकल्प दोहराया।

आयोजित कार्यक्रम में परिषद के अध्यक्ष राजन पाठक, उपाध्यक्ष योगेंद्र चतुर्वेदी और कमल चतुर्वेदी, महामंत्री संजय चतुर्वेदी (एल्पाइन), कोषाध्यक्ष नीरज चतुर्वेदी, मंत्री संजय चतुर्वेदी, हरदेव चतुर्वेदी, श्याम (मोनू) और अनिल चतुर्वेदी (पमपम), निरीक्षक आशीष चतुर्वेदी ने संयुक्त रूप से यमुना पूजन किया। यमुना पूजन के उपरांत सभी पदाधिकारियों ने समाज की सेवा निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ करने का संकल्प लिया।

इस अवसर पर विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष राजन पाठक का चांदी का मुकुट पहनाकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में गिरधारी लाल पाठक, नवीन नागर, राकेश तिवारी (अधिवक्ता), रंजीत पाठक, अनीता,प्रवीण चतुर्वेदी, संजीव चतुर्वेदी,उमेंद्र चतुर्वेदी सहित बड़ी संख्या में समाज के गणमान्य लोग उपस्थित रहे। यमुना मैया के जयकारों के बीच आचार्य माखनलाल चतुर्वेदी,वल्लभ पंडित ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ यमुना पूजन कराया।

15 मीटर से कम ऊंचे भवनों को फायर एनओसी से राहत

मथुरा में छोटे निर्माणों को मिलेगा लाभ

शैक्षणिक संस्थानों को फैसले से बड़ी राहत

व्यापारियों ने किया उच्चतम न्यायालय के फैसले का किया स्वागत

यूनिक समय, मथुरा। उत्तर प्रदेश सरकार के नए भवन निर्माण नियमों के तहत 15 मीटर (करीब 49 फुट) से कम ऊंचाई वाले भवनों को अग्निशमन विभाग से फायर एनओसी लेने की अनिवार्यता से छूट दिए जाने का असर मथुरा में भी देखने को मिलेगा। इस निर्णय से छोटे आवासीय, व्यावसायिक और शैक्षणिक भवनों के निर्माण और संचालन की प्रक्रिया पहले की तुलना में आसान होने की उम्मीद है।

नए प्रावधानों के अनुसार, 15 मीटर से कम ऊंचाई वाले आवासीय भवनों, अधिकांश व्यावसायिक प्रतिष्ठानों, दुकानों, छोटे कार्यालयों, बैंकों और शैक्षणिक संस्थानों को फायर एनओसी लेने की आवश्यकता नहीं होगी। वहीं, नौ मीटर से कम ऊंचाई वाले और 500 वर्गमीटर से छोटे एक बेसमेंट वाले अस्पतालों और नर्सिंग होम को भी इस अनिवार्यता से राहत दी गई है।

मथुरा में बड़ी संख्या में ग्राउंड प्लस दो और ग्राउंड प्लस तीन मंजिल तक के मकान, स्कूल, कोचिंग संस्थान, छोटे अस्पताल और व्यावसायिक भवन इस श्रेणी में आते हैं। ऐसे में भवन स्वामियों और संस्थान संचालकों को एनओसी की प्रक्रिया में लगने वाले समय और औपचारिकताओं से राहत मिलने की संभावना है। निर्माण क्षेत्र से जुड़े लोगों का मानना है कि इससे छोटे निवेशकों और भवन निर्माताओं को भी सुविधा मिलेगी। हालांकि, अग्निशमन विभाग ने स्पष्ट किया है कि फायर एनओसी से छूट का अर्थ अग्नि सुरक्षा मानकों से छूट नहीं है। सभी भवनों में पर्याप्त वेंटिलेशन, सुरक्षित आपातकालीन निकास, अग्निशमन यंत्रों की उपलब्धता और अन्य आवश्यक सुरक्षा प्रबंध सुनिश्चित करना अनिवार्य रहेगा। नियमों का उल्लंघन होने पर संबंधित विभाग कार्रवाई कर सकता है।

मथुरा में धार्मिक पर्यटन, शिक्षा और व्यापार से जुड़े छोटे भवनों की संख्या अधिक होने के कारण इस फैसले को व्यावहारिक राहत के रूप में देखा जा रहा है।

विशेषज्ञों का कहना है कि सुरक्षा मानकों का पालन करते हुए इस नई व्यवस्था का लाभ उठाना ही भवन स्वामियों और संस्थानों के लिए सबसे महत्वपूर्ण होगा। उच्चतम न्यायालय ने हालिया फैसले में यह आदेश जारी किया है।

रिफाइनरी से पेट्रोलियम पदार्थ लेकर जाते टैंकर में लगी आग

टैंकर की केबिन में आग बुझाने के बाद रखे फायर सिलेंडर।

धुंआ देख लोगों में मची अफरा-तफरी, चालक ने फायर सिलेंडर से बुझाई आग

खतरा देख फायर ब्रिगेड की दो गाड़ियां मौके पर पहुंची

यूनिक समय, मथुरा। मथुरा रिफाइनरी से पेट्रोलियम पदार्थ भरकर जा रहे एक टैंकर के केबिन में धुंआ देख राया कट पर यमुना एक्सप्रेस वे पर लोगों में अफरा तफ़री मच गई। दुकानदारों ने टैंकर में लगी आग को देख शोर किया। ड्राइवर ने शोर सुनकर तुरंत टैंकर को साइड पर रोक कर खड़ा किया और केबिन में रखे फायर सिलेंडरों का प्रयोग करते हुए आग पर काबू पाया। आग की सूचना पर फायर ब्रिगेड की दो गाड़ियां भी मौके पर पहुंच गई।

रिफाइनरी से पेट्रोलियम पदार्थ भरकर टैंकर को चालक रामबाबू निवासी भैंसा थाना रिफाइनरी को आज सुबह करीब साढ़े 10 बजे जनपद अलीगढ़ के गौरई के लिए ले जाना था। रिफाइनरी से पेट्रोलियम पदार्थ लोड करने के बाद वह गोरई के लिए चल दिया। उसके साथ गोवर्धन सिंह भी टैंकर के कैबिन में बैठे हुए थे। करीब साढ़े ग्यारह बजे पर टैंकर जैसे ही थाना राया क्षेत्र स्थित यमुना एक्सप्रेसवे के राया कट के नीचे पहुंचा। टैंकर के इंजन में शार्ट सर्किट होने से आग लग गई और आग का धुंआ कैबिन में पहुंचने लगा। टैंकर से निकलते धुएं को देख वहां के दुकानदारों में हड़कंप मच गया। दुकानदारों ने टैंकर में आग लगने पर शोर किया। चालक रामबाबू ने केबिन में आते धुएं और लोगों द्वारा मचाए गए शोर को सुनकर तुरंत पेट्रोलियम पदार्थ से भरे टैंकर को एक साइड पर रोक दिया। इसके बाद फायर सिलेंडर का प्रयोग कर आग पर काबू किया।

टैंकर में लगी आग से पूरे इलाके में अफरा-तफरी का माहौल पैदा हो गया। वजह थी टैंकर में भरा पेट्रोलियम पदार्थ, जिसमें आग लगने और बड़े विस्फोट के होने का लोगों को खतरा था। टैंकर में लगी आग की सूचना मिलने पर फायर ब्रिगेड की दो गाड़ियां मौके पर पहुंच गई। फायर कर्मचारियों ने टैंकर को अच्छी तरह से चेक करने के बाद उसे जाने दिया। मौके पर पहुचे फायर ब्रिगेड के अधिकारी किशन लाल ने बताया कि टैंकर के इंजन में शार्ट सर्किट के कारण आग लगी थी. जिसका धुआं हवा में दिखाई दे रहा था। केविन में भी धुंआ भर गया था। टैंकर को आग का कोई खतरा नहीं है।

अज्ञात वाहन ने सात लोगों को रौंदा, बच्ची की मौत

यमुना एक्सप्रेस-वे पर टक्कर लगने के बाद पैदल निकले रहे लोगों के साथ हादसा

यूनिक समय, सुरीर/ मथुरा। यमुना एक्सप्रेस-वे पर रविवार रात थाना मांट क्षेत्र में माइलस्टोन संख्या102.8 पर स्कार्पियो कार आगे चल रही ऑल्टो में पीछे से टकरा गई। दुर्घटना के बाद सड़क पार करते कार सवार सात लोग को तेज रफ्तार वाहन ने रौंद दिया, हादसे में एक बच्ची की मौत हो गई। घायलों को जेपी एंबुलेंस की मदद से भास्कर हॉस्पिटल, लक्ष्मीनगर में भर्ती कराया गया। पुलिस ने दुर्घटनाग्रसत वाहनों को हटवाकर यातायात को सामान्य कराया।

पुलिस के अनुसार, रविवार रात करीब 9:35 बजे आगरा से नोएडा लेन पर माइलस्टोन 102.8 के पास आगे चल रही ऑल्टो कार में पीछे से स्कॉर्पियो कार टकरा गई। हादसे में स्कॉर्पियो का अगला हिस्सा पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया, जिससे वाहन सड़क पर ही बंद हो गया। काफी प्रयास के बाद भी गाड़ी स्टार्ट नहीं हुई।

स्कॉर्पियो चालक राहुल पुत्र मनोज कुमार निवासी विष्णु गार्डन नई दिल्ली ने बताया कि हादसे के बाद वाहन में सवार सभी लोग उतरकर सड़क के दूसरी ओर जाने लगे। इसी दौरान आगरा की ओर से तेज रफ्तार में आए एक अज्ञात वाहन ने उनको टक्कर मार दी। वाहन समेत चालक मौके से भाग गया। दुर्घटना में घायल होने वालों में तनिष्का (4), नारायन (6), दिव्या (32), मीरा (53), कमलेश (50), मनोज कुमार (55) और कार्ती (32) सभी घायल हो गए। सभी घायल नई दिल्ली के विष्णु गार्डन क्षेत्र के रहने वाले हैं। दुर्घटना की सूचना पर मांट पुलिस और यमुना एक्सप्रेसवे की आपातकालीन टीम मौके पर पहुंच गई। घायलों को जेपी की एंबुलेंस से इलाज के लिए भास्कर हॉस्पिटल भेजा गया, जहां नारायन की मौत हो गई। पुलिस ने दुर्घटना में क्षतिग्रस्त हुई स्कॉर्पियो को क्रेन की सहायता से हटाकर यातायात सुचारु कराया गया। पुलिस अब दुर्घटना कर भागे अज्ञात वाहन की तलाश में जुटी है।

सांड़ से बचने को भागा युवक तालाब में डूबा

युवक की मौत से गांव में फैली शोक की लहर

यूनिक समय, मथुरा। थाना राया के गांव थाना अमर सिंह में बीती रात दुकान से सामान खरीदने गए एक युवक के पीछे सांड़ पड़ गया। सांड़ से बचने के प्रयास में युवक तालाब में गिरकर डूब गया। काफी प्रयास के बाद एनडीआरएफ टीम ने युवक के शव को निकाला। घटना से गांव में शोक की लहर दौड़ गई।

बताया गया कि थाना अमर सिंह निवासी हरिओम (28) पुत्र रघुवर रात को घर से दुकान से सामान लेने के लिए गया था। लौटने के दौरान उसके सामने अचानक एक बेसहारा सांड़ सामने से आ गया। सांड़ से बचने के लिए हरिओम वहां से भागा और संतुलन बिगड़ने के कारण वह तालाब में गिर गया। ग्रामीण जब कर उसे बचाने के लिए पहुंचते, उस समय तक वह तालाब के पानी में डूब चुका था। पुलिस को भी इस बारे ग्रामीणों ने सूचना दी। थाना प्रभारी निरीक्षक कर्मवीर सिंह पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने फायर ब्रिगेड को भी तालाब में डूबे युवक को निकलवाने के लिए बुलाया। एक तो रात में अंधेरा उसके साथ तालाब में फैली गंदगी के कारण काफी प्रयास के बाद भी रात में युवक के शव को नहीं निकाला जासका। इसके बाद एनडीआरएफ को भी युवक का शव निकालने के लिए बुलाया गया। एनडीआरएफ की टीम ने चार घंटे से अधिक की मशक्कत के बाद हरिओम के शव को तालाब से बाहर निकाला। हरिओम की मौत से परिवार ही नहीं, गांव में शोक की लहर फैल गई। पुलिस ने शव का पंचनामा करने के बाद पोस्टमॉटम के लिए भेज दिया।

दीक्षा पोर्टल पर दिया जाएगा गुरुजनों को निष्ठा प्रशिक्षण

तकनीक आधारित शिक्षण डिजिटल संसाधनों के प्रभावी उपयोग, साइबर सुरक्षा की मिलेगी जानकारी

यूनिक समय, मथुरा। जिले के परिषदीय, राजकीय और सहायता प्राप्त विद्यालयों के शिक्षकों को बदलते शैक्षिक परिवेश के अनुरूप तैयार करने के लिए निष्ठा प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षण पूरी तरह दीक्षा पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन संचालित होगा। प्रशिक्षण के जरिए शिक्षकों को नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020, तकनीक आधारित शिक्षण, डिजिटल संसाधनों के प्रभावी उपयोग, साइबर सुरक्षा, गतिविधि आधारित शिक्षण आदि के बारे में जानकारी दी जाएगी।

निष्ठा कार्यक्रम के तहत शिक्षकों का ऑनलाइन नामांकन 21 मई से शुरू हो चुका है। नामांकन की अंतिम तिथि 31 अगस्त निर्धारित की गई है। सभी ऑनलाइन प्रशिक्षण पाठ्यक्रम 15 सितंबर तक संचालित किए जाएंगे। इस संबंध में शासन स्तर से सभी बीएसए, डायट प्राचार्य, खंड शिक्षा अधिकारी (बीईओ), एसआरजी, एआरपी आदि को निर्देश दे दिए गए हैं। इसमें कहा गया है कि जिले के सभी पात्र शिक्षकों का शत–प्रतिशत नामांकन और प्रशिक्षण समयबद्ध तरीके से पूरा कराया जाए। विभाग के अनुसार यह प्रशिक्षण केवल औपचारिकता नहीं होगा, बल्कि ऑनलाइन मॉड्यूल, मूल्यांकन और प्रमाणन के माध्यम से शिक्षकों की दक्षता भी परखी जाएगी। प्रशिक्षण पूरा करने वाले शिक्षकों को डिजिटल प्रमाणपत्र भी उपलब्ध कराया जाएगा।

तीन श्रेणियों में तैयार किए गए प्रशिक्षण मॉड्यूल

निष्ठा प्रशिक्षण कार्यक्रम को तीन प्रमुख श्रेणियों में विभाजित किया गया है। पहली श्रेणी अर्ली चाइल्डहुड केयर एंड एजुकेशन (ईसीसीई) की है, जिसमें प्री–प्राइमरी से कक्षा दो तक पढ़ाने वाले शिक्षकों को प्रारंभिक बाल्यावस्था शिक्षा और बुनियादी चीजें सीखने की तकनीकों का प्रशिक्षण दिया जाएगा। दूसरी श्रेणी फाउंडेशनल लिटरेसी एंड न्यूमेरेसी (एफएलएन) की है, जिसके तहत कक्षा तीन से पांच तक के शिक्षकों को भाषा और गणितीय दक्षता आधारित शिक्षण पद्धति सिखाई जाएगी। तीसरी श्रेणी में कक्षा छह से 12 तक पढ़ाने वाले शिक्षकों के लिए एडवांस मॉड्यूल तैयार किए गए हैं, जिनमें साइबर हाइजीन, ई–वेस्ट प्रबंधन, एक्शन रिसर्च, कैच द रेन, डिजिटल सुरक्षा और तकनीक आधारित शिक्षण जैसे विषय शामिल हैं।

> शिक्षकों को दीक्षा पोर्टल के माध्यम से निष्ठा प्रशिक्षण कार्यक्रम के बारे में ऑनलाइन जानकारी दी जानी है। इसके लिए शिक्षक 31 अगस्त तक अपना पंजीकरण पोर्टल पर करा सकते हैं।
> –रतन कीर्ति, बीएसए

स्वच्छ ब्रज के संकल्प को मिली रफ्तार

निगम ने अतिक्रमण और गंदगी पर कसा शिकंजा

डीग गेट क्षेत्र में अतिक्रमण हटवाती नगर निगम की टीम, साथ में सहायक नगर आयुक्त राकेश त्यागी।

नगर निगम ने जर्जर छज्जों को किया ध्वस्त

यूनिक समय, वृंदावन। पिछले दिनों बांके बिहारी मंदिर के गेट नंबर पांच वाली गली में एक मकान का छज्जा गिरने से कई श्रद्धालुओं के घायल होने की खबर के बाद एक्शन में आए नगर निगम प्रशासन ने किशोर पुरा के पास जर्जर छज्जों के ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की। नगर निगम की कार्रवाई को लेकर इलाके के लोगों में हड़कंप सा मच गया। हालांकि जर्जर छज्जों को हटाने ने नगर निगम प्रशासन ने भवन मालिकों को नोटिस भी दिया था। उसके बाद जर्जर छज्जों को नहीं हटाया तो आज ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की। गौरतलब है अब मानसून की बारिश प्रारंभ हो चुकी है। जर्जर छज्जे कभी भी हादसे का कारण बन सकते हैं। ऐसी स्थिति में नगर निगम प्रशासन एक्शन मूड में दिखाई दे रहा है।

यूनिक समय, मथुरा। ब्रज को स्वच्छ, सुंदर और व्यवस्थित बनाने के लिए चलाए गए 15 दिवसीय विशेष स्वच्छता महाअभियान का सोमवार को समापन हुआ। अंतिम दिन नगर निगम की टीम ने शहर के कई इलाकों में अतिक्रमण, गंदगी और प्रतिबंधित पॉलीथिन के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए लोगों को नियमों का पालन करने का संदेश दिया।

नगर निगम की टीम और बुलडोजर के साथ सहायक नगर आयुक्त राकेश त्यागी डींग गेट क्षेत्र के मेवाती मोहल्ले में पहुंचे और सड़क- सार्वजनिक स्थानों पर जुर्माने के साथ कानूनी कार्रवाई भी की जाएगी। नगर आयुक्त के निर्देश पर औरंगाबाद जोन में सहायक नगर आयुक्त कल्पना सिंह चौहान के नेतृत्व में औरंगाबाद से टाउनशिप और टाउनशिप से नवादा पुरानी आरटीओ मार्ग तक विशेष अभियान चलाया गया। इस दौरान अवैध अस्थायी और स्थायी अतिक्रमण हटाने के साथ कई लोगों के चालान काटे गए और 5,000 का जुर्माना वसूला गया।

नगर निगम ने प्रतिबंधित पॉलीथिन के खिलाफ भी सख्ती दिखाई। अभियान के दौरान 10 किलोग्राम प्रतिबंधित पॉलीथिन जब्त की गई और संबंधित लोगों से 20,000 का जुर्माना वसूला गया। वहीं सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी फैलाने वालों पर 2,500 का जुर्माना लगाया गया। जिला प्रशासन, नगर निगम, विकास प्राधिकरण और ब्रज तीर्थ विकास परिषद के संयुक्त तत्वावधान में 22 जून से 6 जुलाई तक चले इस महाअभियान का संदेश "हम सबने ठाना है, ब्रज को स्वच्छ बनाना है" रहा। नगर निगम ने नागरिकों से स्वच्छता बनाए रखने, प्रतिबंधित पॉलीथिन का उपयोग न करने और सार्वजनिक स्थानों पर अतिक्रमण से बचने को कहा। अभियान के दौरान ईटीएफ टीम, सफाई निरीक्षक, सुपरवाइजर और नगर निगम के अन्य अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

महाअभियान के अंतिम दिन अवैध कब्जों पर टूटा महाबली

पॉलीथिन जब्त कर वसूला 27,500 जुर्माना दुकानदार होते रहे परेशान

किए गए अवैध अतिक्रमण को हटाया। कार्रवाई के दौरान अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि सरकारी भूमि और सड़कों पर दोबारा कब्जा करने वालों के खिलाफ

रंगजी चौकी क्षेत्र में ई–रिक्शा से चरमराई यातायात व्यवस्था

यूनिक समय, वृंदावन। रंगजी चौकी क्षेत्र में अनियंत्रित ई–रिक्शा संचालन से यातायात व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। विशेष रूप से निधिवन मंदिर और राधा रमण मंदिर के आसपास ई–रिक्शा चालकों की मनमानी के कारण दिनभर जाम की स्थिति बनी रहती है। संकरी गलियों में क्षमता से अधिक ई–रिक्शा प्रवेश कर रहे हैं, जिससे श्रद्धालुओं, स्थानीय व्यापारियों और पैदल चलने वाले लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

स्थानीय लोगों का आरोप है कि कई ई–रिक्शा चालक निर्धारित नियमों की अनदेखी करते हुए गलत दिशा में वाहन चलाते हैं, सड़क पर ही सवारी भरते हैं और मनमाने ढंग से वाहन खड़े कर देते हैं। इससे न केवल यातायात बाधित होता है, बल्कि दुर्घटनाओं का खतरा भी लगातार बना रहता है। मंदिरों में दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालु भी अव्यवस्था और लंबे जाम से खासे परेशान हैं।

इधर, नवीन रंगजी चौकी प्रभारी की कार्यशैली को लेकर भी सवाल उठने लगे हैं। लोगों का कहना है कि क्षेत्र में बढ़ती अव्यवस्था पर प्रभावी नियंत्रण नहीं हो पा रहा है। नियमित अभियान और सख्त कार्रवाई के अभाव में ई–रिक्शा चालकों के हौसले बुलंद होते जा रहे हैं। स्थानीय नागरिकों और व्यापारिक संगठनों ने पुलिस प्रशासन से तत्काल प्रभावी कदम उठाने, अवैध पार्किंग हटाने, यातायात व्यवस्था को सुव्यवस्थित करने और नियमों का उल्लंघन करने वाले ई–रिक्शा चालकों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। उनका कहना है कि समय रहते व्यवस्था नहीं सुधरी तो आने वाले दिनों में स्थिति और गंभीर हो सकती है।

निधिवन मंदिर और राधा रमण मंदिर के आसपास दिनभर जाम की स्थिति

पहली बारिश के बाद बच्चों पर बीमारियों का हमला

जिला महिला अस्पताल में बढ़ी मरीजों की संख्या

यूनिक समय, मथुरा। मानसून की पहली बारिश के साथ ही जिले में बच्चों की सेहत पर असर दिखाई देने लगा है। जिला महिला चिकित्सालय में इन दिनों पेट संबंधी बीमारियों से पीड़ित बच्चों की संख्या से बढ़ रही है। पहले जहां प्रतिदिन करीब 75 बच्चे उपचार के लिए अस्पताल पहुंचते थे, वहीं अब यह संख्या बढ़कर लगभग 100 प्रतिदिन हो गई है। सबसे अधिक 5 से 8 वर्ष आयु के बच्चे लूज मोशन, डायरिया, उल्टी, खूनी दस्त और पेट में ऐंठन जैसी समस्याओं से पीड़ित होकर अस्पताल पहुंच रहे हैं। बारिश के मौसम में बढ़ी नमी और खानपान में लापरवाही के कारण बच्चों में संक्रमण तेजी से फैल रहा है। चिकित्सकों के अनुसार, दूषित और बासी भोजन का सेवन इन बीमारियों का प्रमुख कारण बन रहा है। मौसम बदलने के साथ बैक्टीरिया तेजी से सक्रिय हो जाते हैं, जिससे बच्चों में पेट संबंधी संक्रमण बढ़ जाता है। जिला महिला चिकित्सालय के बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. ओमप्रकाश ने बताया कि पहली बारिश के बाद बच्चों में डायरिया, लूज मोशन, खूनी दस्त और पेट में ऐंठन के मामलों में लगातार बढ़ोतरी हुई है। रोजाना करीब 100 बच्चे ओपीडी में उपचार के लिए पहुंच रहे हैं। इनमें से 5 से 7 बच्चों की हालत खराब होने पर उन्हें अस्पताल में भर्ती करना पड़ रहा है। उपचार के बाद अधिकांश बच्चों को 24 से 48 घंटे के भीतर स्वस्थ होने पर छुट्टी दे दी जाती है। उन्होंने कहा कि बारिश के मौसम में बच्चों को हमेशा ताजा और स्वच्छ भोजन ही दें। कोई भी पका हुआ भोजन चार घंटे से अधिक समय तक रखने के बाद खाने योग्य नहीं माना जाता। अधिक देर तक रखा भोजन दूषित हो सकता है, जिससे बच्चों में संक्रमण और फूड प्वाइजनिंग का खतरा बढ़ जाता है।

जिला महिला अस्पताल में बच्चे की जांच करते बाल रोग विशेषज्ञ डॉ.ओमप्रकाश।

लूज मोशन, डायरिया उल्टी और खूनी दस्त के मामले बढ़े

हंसता आईना

सूचना

मैं रिंकेश पुत्र श्री विपिन बिहारी लाल निवासी 1177, पुरानी छावनी, थाना सदर बाजार जिला मथुरा सूचित करता हूँ कि मेरा पुत्र अनिकेत गर्ग पुत्रवधू आरती मेरे कहने में नही है, उनके द्वारा किए गए कृत्यों व लेन-देन के लिए वह स्वंय जिम्मेदार है, मैंने व मेरे परिवार ने उनसे संबंध विच्छेद कर लिए है, मैं इनको अपनी चल-अचल संपत्ति से बेदखल करता हूँ।

यूनिक समय

स्वामी पवन गौतम के लिए राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित।

कार्यालय:- यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा।

संपादक-पवन गौतम

फोन नंबर-0565-3550761

मो. 9837155888

E-mail : uniquesamaynews@gmail.com

website : uniquesamay.com

RNI-UPHIN/2023/85053

DAVP-: 134220

डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026–28

सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा।

एमआईटी, जीएसओसी और कोडफोर्सेस में जीएलए का परचम

यूनिक समय, मथुरा। जीएलए विश्वविद्यालय, मथुरा के कंप्यूटर इंजीनियरिंग एवं एप्लीकेशंस (सीईए) विभाग के विद्यार्थियों ने एक बार फिर यह साबित कर दिया है कि प्रतिभा केवल कक्षा तक सीमित नहीं रहती, बल्कि सही मार्गदर्शन, आधुनिक तकनीकी वातावरण और निरंतर अभ्यास के बल पर विश्व के सबसे प्रतिष्ठित तकनीकी मंचों तक अपनी पहचान बनाई जा सकती है। विश्वविद्यालय के छात्रों ने इस बार प्रतिस्पर्धी प्रोग्रामिंग, अंतरराष्ट्रीय शोध, वैश्विक इंटर्नशिप और ओपन-सोर्स तकनीक के क्षेत्र में ऐसी उपलब्धियां हासिल की हैं, जो न केवल संस्थान, बल्कि पूरे प्रदेश के लिए गौरव का विषय हैं।विश्व के प्रतिष्ठित प्रतिस्पर्धी प्रोग्रामिंग प्लेटफॉर्म कोडफोर्सेस पर बी.टेक. सीएसई (सीएसएफ) 2027 बैच के छात्र अनिरुद्ध चौहान ने मास्टर रैंक प्राप्त कर अपनी असाधारण तकनीकी क्षमता का परिचय दिया है। यह उपलब्धि अत्यंत कठिन मानी जाती है और विश्वभर के लाखों प्रोग्रामर्स में केवल चुनिंदा प्रतिभागी ही इस स्तर तक पहुंच पाते हैं। उनकी इस सफलता ने जीएलए विश्वविद्यालय की प्रतिस्पर्धी प्रोग्रामिंग संस्कृति को अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाई है।

इसी क्रम में बीटेक सीएसई (ऑनर्स) तृतीय वर्ष के छात्र सिद्धार्थ खंडेलवाल का चयन विश्व के सर्वश्रेष्ठ तकनीकी-शोध संस्थानों में शामिल मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एमआईटी) में प्रतिष्ठित इंटर्नशिप के लिए हुआ है। यहां उन्हें अत्याधुनिक अनुसंधान परियोजनाओं, उन्नत तकनीकों और वैश्विक वैज्ञानिकों के साथ कार्य करने का अवसर मिलेगा। यह उपलब्धि उन चुनिंदा भारतीय विद्यार्थियों को ही प्राप्त होती है, जो अपनी शैक्षणिक-तकनीकी उत्कृष्टता के बल पर वैश्विक प्रतिस्पर्धा में स्थान बनाते हैं।

ओपन-सोर्स तकनीक के क्षेत्र में भी जीएलए विश्वविद्यालय ने अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई है। बीटेक सीएसई 2026 बैच के मीत जैन और 2027 बैच की भूमि शिवहरे का चयन गूगल समर ऑफ कोड (जीएसओसी) 2026 के लिए हुआ है। यह विश्व का प्रतिष्ठित ओपन-सोर्स कार्यक्रम है, जिसमें चयनित छात्र अंतरराष्ट्रीय संगठनों के साथ मिलकर वास्तविक सॉफ्टवेयर परियोजनाओं पर कार्य करते हैं, विश्वस्तरीय विशेषज्ञों के मार्गदर्शन में अपनी तकनीकी दक्षता को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाते हैं।

विश्वविद्यालय की एक और उपलब्धि के रूप में बीटेक. सीएसई के छात्र साहिल चौधरी को यूनिवर्सिडाडे फेडरल डी गोइआस, ब्राजील में अंतरराष्ट्रीय इंटर्नशिप प्राप्त हुई है। इस दौरान वह वैश्विक शोध-नवाचार परियोजनाओं में सक्रिय योगदान दे रहे हैं। यह उपलब्धि इस बात का प्रमाण है कि जीएलए विश्वविद्यालय के विद्यार्थी आज केवल राष्ट्रीय स्तर तक सीमित नहीं हैं, बल्कि विश्व के प्रतिष्ठित शैक्षणिक,अनुसंधान संस्थानों में अपनी प्रतिभा का प्रभाव छोड़ रहे हैं।

अंतरराष्ट्रीय शोध वैश्विक इंटर्नशिप और प्रतिस्पर्धी प्रोग्रामिंग में जीएलए के विद्यार्थियों ने बनाया नया कीर्तिमान

आईईटी डीन प्रो. अशोक भंसाली ने विद्यार्थियों की उपलब्धियों पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि जीएलए विश्वविद्यालय का उद्देश्य विद्यार्थियों को केवल डिग्री प्रदान करना नहीं, बल्कि उन्हें वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा के योग्य बनाना है। उन्होंने कहा कि एमआईटी, गूगल समर ऑफ कोड, अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालयों, वैश्विक तकनीकी मंचों पर छात्रों का चयन इस बात का प्रमाण है कि विश्वविद्यालय में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, उद्योगोन्मुखी प्रशिक्षण, अनुसंधान और नवाचार को समान महत्व दिया जा रहा है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि आने वाले वर्षों में जीएलए के विद्यार्थी विश्व की अग्रणी तकनीकी कंपनियों, अनुसंधान संस्थानों और विश्वविद्यालयों में अपनी मजबूत पहचान स्थापित करेंगे।

डीन स्टूडेंट वेलफेयर डॉ. हिमांशु शर्मा ने कहा कि विद्यार्थियों की यह सफलता पूरे विश्वविद्यालय परिवार के लिए गर्व और प्रेरणा का विषय है। उन्होंने कहा कि अनुशासन, सतत अभ्यास, गुणवत्तापूर्ण मार्गदर्शन और नवाचार की सोच ही विद्यार्थियों को वैश्विक मंच तक पहुंचाती है।

सरकारी स्कूलों में भी स्मार्ट पढ़ाई

अब डिजिटल क्लास में सीख रहे हजारों बच्चे

जिले के 234 परिषदीय विद्यालयों में स्मार्ट क्लास शुरू, पढ़ाई के साथ मिल रहा कंप्यूटर का ज्ञान

यूनिक समय, मथुरा। जिले के सरकारी स्कूलों में अब पढ़ाई का तरीका पूरी तरह बदल रहा है, जो सुविधा अब तक केवल निजी स्कूलों में देखने को मिलती थी, वह अब सरकारी स्कूलों के बच्चों को भी मिल रही है।

जिले के 234 परिषदीय विद्यालयों में कक्षा 6 से 8 तक के हजारों छात्र-छात्राएं स्मार्ट क्लास के माध्यम से पढ़ाई कर रहे हैं। इससे बच्चों की पढ़ाई आसान और प्रभावी बन रही है। स्मार्ट क्लास में बच्चों को किताबों के साथ-साथ बड़ी स्क्रीन पर वीडियो, चित्र, एनीमेशन और डिजिटल सामग्री के जरिए पढ़ाया जा रहा है। विज्ञान, गणित, सामाजिक विज्ञान और अन्य विषयों को आसान भाषा में समझाया जाता है। इससे बच्चों को पाठ जल्दी समझ में आता है और पढ़ाई में उनकी रुचि भी बढ़ रही है। सिर्फ पढ़ाई ही नहीं, स्मार्ट क्लास के जरिए बच्चों को कंप्यूटर का भी ज्ञान मिल रहा है। डिजिटल उपकरणों का उपयोग सीखने से उनमें नई तकनीक को समझने का आत्मविश्वास बढ़ रहा है। शिक्षक भी आधुनिक तरीके से पढ़ाने के कारण बच्चों को अच्छे से समझा पा रहे हैं। बीएसए रतन कीर्ति ने बताया कि जिले के 234 विद्यालयों में स्मार्ट क्लास संचालित हैं। उन्होंने कहा कि स्मार्ट क्लास से बच्चों का सामान्य ज्ञान बढ़ रहा है, पढ़ाई में उनकी रुचि बढ़ी है और उन्हें कंप्यूटर की भी जानकारी मिल रही है। उन्होंने कहा कि स्मार्ट क्लास की यह पहल सरकारी स्कूलों में शिक्षा की गुणवत्ता को नई पहचान दे रही है। डिजिटल माध्यम से पढ़ाई मिलने से अब सरकारी स्कूलों के बच्चे भी आधुनिक शिक्षा की मुख्यधारा से जुड़ रहे हैं। इससे यह साबित हो रहा है कि सरकारी विद्यालयों में भी शिक्षा का स्तर लगातार बेहतर हो रहा है।

13 जुलाई से शुरू होगी होमगार्डस की भर्ती प्रक्रिया

यूनिक समय, मथुरा। होमगार्डस में 13 जुलाई से छह अगस्त तक प्रदेश में होने वाली भर्ती में जनपद के लिए भी 489 महिला और पुरुष होमगार्डस का चयन किया जाएगा। छह अगस्त को अगर कोई अभ्यर्थी भर्ती में भाग लेने से छूट गया तो वह सात अगस्त को प्रकिया में शामिल हो सकता है।

होमगार्ड कमांडेट शैलेंद्र कुमार ने बताया कि होमगार्डस की प्रदेश भर में भर्ती प्रक्रिया 13 जुलाई से शुरू हो रही है। भर्ती के लिए शारीरिक मांप के अलावा अभिलेख वैरीफिकेशन की प्रक्रिया छह अगस्त तक चलेगी। इस बीच अगर कोई कंडीडेट रह जाता है तो उसे सात तारीख को अंतिम मौका दिया जाएगा।

इसके बाद प्रक्रिया पूरी होने के बाद चयनित अभियार्थियों को एक सितंबर से 90 दिन की ट्रेनिंग कराई जाएगी। इस तरह जनवरी तक जनपद को 489 होमगार्डस मिल जाएगे।

जनपद में होमगार्डस की भर्ती 2010 से नहीं हुई है। विभाग में केवल मृतक आश्रितों को ही होमगार्ड में भर्ती किया जा रहा है।

दिव्यांग बच्चों की प्रतिभा ने जीता हर दिल

स्कूल चलो अभियान फेज-2 के शुभारंभ पर मशाल के साथ विधायक पूरन प्रकाश,सीड़ीओ डॉ.पूजा गुप्ता,बीएसए रतन कीर्ति आदि।

सांकेतिक भाषा में राष्ट्रगान और पैरों से लिखाई देख गदगद हुए अतिथि

स्कूल चलो अभियान फेज-टू का आगाज

विधायक ने मंच से ही किया सम्मानित

यूनिक समय, मथुरा। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान में सोमवार को 'स्कूल चलो अभियान फेज-2' का शुभारंभ भावनाओं और उत्साह के माहौल में हुआ। कार्यक्रम में दिव्यांग बच्चों ने अपनी प्रतिभा से ऐसा समां बांधा कि पूरा सभागार तालियों से गूंज उठा। किसी ने सांकेतिक भाषा में राष्ट्रगान प्रस्तुत किया तो किसी ने बिना हाथों के पैरों से सुंदर लिखाई कर सभी को हैरान कर दिया। बच्चों की लगन और हौसले को देखकर बलदेव विधायक पूरन प्रकाश भी भावुक हो गए और उन्होंने मंच से ही बच्चों को नगद पुरस्कार देकर सम्मानित किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ विधायक पूरन प्रकाश, जिला पंचायत अध्यक्ष किशन सिंह, सीडीओ डॉ. पूजा गुप्ता और बीएसए रतन कीर्ति ने मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर किया। परिषदीय विद्यालय के बच्चों ने सरस्वती वंदना और स्वागत गीत प्रस्तुत कर अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम में भावुक पल तब आया, जब मूक-बधिर बच्चों ने सांकेतिक भाषा में राष्ट्रगान प्रस्तुत किया। दो दृष्टिबाधित बच्चों ने कीपैड पर तेज गति से टाइपिंग कर अपनी प्रतिभा दिखाई। बिना हाथों वाले एक बच्चे ने अपने पैरों से सुंदर लिखाई कर सभी का दिल जीत लिया।

विधायक ने बच्चों की सराहना करते हुए कहा कि ये बच्चे किसी से कम नहीं हैं। उन्होंने मंच से ही बच्चों को नगद पुरस्कार देकर सम्मानित किया। रैली के माध्यम से अतिथियों ने शिक्षकों-अभिवावकों से कहा कि कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे और शत-प्रतिशत नामांकन का लक्ष्य पूरा किया जाए। स्कूल चलो रैली में विधायक, जिला पंचायत अध्यक्ष, सीडीओ, बीएसए, सभी खंड शिक्षा अधिकारी, एसआरजी, एआरपी और समेकित शिक्षा के अधिकारी शिक्षकों और बच्चों के साथ पैदल चले, लोगों को बच्चों का विद्यालय में नामांकन कराने के लिए जागरूक किया। रैली क्षेत्र का भ्रमण करने के बाद डाइट परिसर स्थित उच्च प्राथमिक विद्यालय पहुंचकर संपन्न हुई। इस अवसर पर सभी खंड शिक्षा अधिकारी, शिक्षा विभाग के अधिकारी, बड़ी संख्या में शिक्षक-शिक्षिकाएं और छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

राजीव एकेडमी दे रही बेहतर करियर की नई उड़ान

प्रतिष्ठित कंपनी की प्लेसमेंट प्रक्रिया में हिस्सा लेते छात्र-छात्राएं।

यूनिक समय, मथुरा। राजीव एकेडमी फॉर टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट, मथुरा अपने छात्र-छात्राओं को केवल प्लेसमेंट दिलाने तक सीमित नहीं है, बल्कि उनके बेहतर करियर निर्माण के लिए निरंतर सहयोग प्रदान कर रही है। संस्थान के अंडरग्रेजुएट सत्र 2023-26 और पोस्ट ग्रेजुएट सत्र 2024-26 के ऐसे छात्र-छात्राएं, जिनका पूर्व में विभिन्न प्रतिष्ठित कंपनियों में प्लेसमेंट हो चुका था, लेकिन वे किसी कारणवश जॉब स्विच करना चाहते हैं अथवा बेहतर करियर अवसरों की तलाश में हैं, संस्थान का ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट विभाग पूरी तत्परता के साथ उनके सपनों को पंख लगा रहा है।

संस्थान का ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट (टीएनपी) विभाग ऐसे छात्र-छात्राओं को नई और बेहतर रोजगार संभावनाओं से जोड़ते हुए लगातार प्रतिष्ठित कंपनियों में इंटरव्यू-चयन की प्रक्रिया उपलब्ध करा रहा है। विभाग द्वारा छात्र-छात्राओं की प्रोफाइल के अनुरूप निरंतर नई कंपनियों के अवसर साझा किए जा रहे हैं, जिनमें छात्र-छात्राएं आवेदन कर रहे हैं, बेहतर अवसर प्राप्त होते ही नई कंपनियों में जॉइन भी कर रहे हैं। इस अभियान के अंतर्गत छात्र-छात्राओं को एनटीटी डाटा, इंडस वैली पार्टनर, एचएसीएल टेक, वोडोफोन आइडिया लिमिटेड, आब्सरव नाव, लीवरोएक्स एलएलसी, थराविंग टाइम, एयरटेल आदि प्रतिष्ठित कंपनियों में करियर के अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। संस्थान के निदेशक डॉ. अमर कुमार सक्सेना का कहना है कि हमारे देश में शैक्षिक संस्थानों की सफलता अक्सर प्लेसमेंट, वेतन पैकेज और बड़ी कंपनियों की भर्ती के आधार पर आंकी जाती है लेकिन किसी भी संस्थान की वास्तविक सफलता का पैमाना यह नहीं है कि छात्र-छात्रा को पहली नौकरी कहां मिली, बल्कि यह है कि वह अपने करियर में आगे कितनी तेजी से बढ़ता है।

डॉ. सक्सेना ने कहा कि राजीव एकेडमी का उद्देश्य केवल छात्र-छात्राओं का प्रथम प्लेसमेंट कराना नहीं, बल्कि उनके संपूर्ण करियर विकास में हर कदम पर सहयोग देना है। संस्थान के अध्यक्ष डॉ. रामकिशोर अग्रवाल, उपाध्यक्ष पंकज अग्रवाल और मैनेजिंग डायरेक्टर मनोज अग्रवाल ने राजीव एकेडमी के प्रयासों की मुक्तकंठ से प्रशंसा की। अध्यक्ष डॉ. रामकिशोर अग्रवाल का कहना है कि राजीव एकेडमी विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ-साथ दीर्घकालिक करियर विकास के अवसर प्रदान करने को प्रतिबद्ध है। संस्थान का लक्ष्य छात्र-छात्राओं को उद्योगों की आवश्यकता अनुरूप तैयार करना और उनका करियर मार्गदर्शन-सहयोग प्रदान करना है, ताकि वे अपने व्यावसायिक जीवन में निरंतर सफलता प्राप्त कर सकें।

प्रतिष्ठित कंपनियों में इंटरव्यू और चयन प्रक्रिया की दिलाई जा रही सुविधाएं

रकिंग फिटनेस ट्रेंड बढ़ा

वजन संग चलना फायदेमंद साबित

स्टैमिना बढ़ाए, कैलोरी जलाए, मांसपेशियां करें मजबूत

सही वजन, तकनीक सावधानियां अपनाना बेहद जरूरी

यूनिक समय, नई दिल्ली। फिटनेस की दुनिया में इन दिनों 'रकिंग' तेजी से लोकप्रिय हो रही है। सेना के जवानों की ट्रेनिंग से जुड़ी यह एक्सरसाइज अब आम लोगों के बीच भी पसंद की जा रही है। रकिंग में व्यक्ति अपनी पीठ पर वजन वाला बैग लेकर पैदल चलता या हल्की दौड़ लगाता है। विशेषज्ञों के अनुसार यह सामान्य वॉकिंग की तुलना में अधिक प्रभावी व्यायाम है, क्योंकि अतिरिक्त वजन के कारण शरीर को ज्यादा मेहनत करनी पड़ती है। इससे कैलोरी अधिक खर्च होती है, मांसपेशियां मजबूत बनती हैं और स्टैमिना बढ़ता है। फिजियोथेरेपी विशेषज्ञों का कहना है कि रकिंग कार्डियो और स्ट्रेंथ ट्रेनिंग का बेहतरीन मिश्रण है। इसमें पैर, पीठ, कंधे और कोर मसल्स एक साथ सक्रिय होती हैं। यही कारण है कि इसे फुल बॉडी वर्कआउट माना जाता है। जिन लोगों को दौड़ने में घुटनों या जोड़ों पर दबाव महसूस

होता है, उनके लिए हल्के वजन के साथ रकिंग बेहतर विकल्प हो सकती है। रकिंग शुरू करने वालों को शुरुआत में अपने शरीर के वजन का केवल 5 से 10 प्रतिशत भार ही बैग में रखना चाहिए। उदाहरण के लिए, 70 किलोग्राम वजन वाले व्यक्ति के लिए 3.5 से 7 किलोग्राम तक का भार पर्याप्त माना जाता है। शुरुआत 15 से 20 मिनट या 1 से 2 किलोमीटर की दूरी से करें और शरीर के अभ्यस्त होने पर धीरे–धीरे वजन, दूरी और समय बढ़ाएं। विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि बैग शरीर से अच्छी तरह फिट होना चाहिए और वजन पीठ के ऊपरी हिस्से के करीब रखा जाना चाहिए, ताकि संतुलन बना रहे। रकिंग से पहले हल्का वार्म–अप और बाद में स्ट्रेचिंग करना भी जरूरी है। पर्याप्त पानी पीना और आरामदायक स्पोर्ट्स शूज पहनना भी चोट से बचाव में मदद करता है। हालांकि हर व्यक्ति के लिए रकिंग उपयुक्त नहीं है। कमर, रीढ़, घुटनों या हृदय संबंधी गंभीर समस्या से पीड़ित लोगों, गर्भवती महिलाओं तथा छोटे बच्चों को बिना चिकित्सकीय सलाह के यह व्यायाम नहीं करना चाहिए। जरूरत से ज्यादा वजन उठाना, गलत मुद्रा में चलना या शरीर की क्षमता से अधिक अभ्यास करना कमर, कंधों और जोड़ों में दर्द का कारण बन सकता है। इसलिए रकिंग को सुरक्षित और प्रभावी बनाने के लिए सही तकनीक, संतुलित वजन और नियमित सावधानियों का पालन करना बेहद जरूरी है।

स्वच्छ ब्रज संकल्प से बदलेगी आस्था की पावन पहचान:मिश्र

जनभागीदारी से स्वच्छता अभियान को मिलेगी नई गति

प्रतिदिन 500 टन कूड़ा उठाने का दावा

यूनिक समय, मथुरा। 'हम सबने यह ठाना है, ब्रज को स्वच्छ बनाना है' महाअभियान के अंतर्गत आयोजित फॉलोअप कार्यशाला में स्वच्छ ब्रज के लिए जनभागीदारी बढ़ाने पर जोर दिया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद के उपाध्यक्ष शैलजाकांत मिश्र ने की। उन्होंने कहा कि ब्रज में गंदगी फैलाना आस्था के प्रति असभ्य आचरण है। उन्होंने बताया कि मथुरा की स्वच्छता रैंकिंग 2017 में 512वीं थी, जो लगातार प्रयासों से बेहतर होकर वर्तमान श्रेणीगत व्यवस्था में 11वें स्थान तक पहुंची है।

परिषद की मुख्य कार्यपालक अधिकारी लक्ष्मी नागप्पन ने कहा कि स्वच्छ ब्रज अभियान तभी सफल होगा, जब प्रत्येक नागरिक अपने क्षेत्र में नेतृत्व की भूमिका निभाए। नगर आयुक्त जग प्रवेश ने बताया कि नगर निगम अब प्रतिदिन 500 टन से अधिक कूड़ा उठा रहा है। सफाईकर्मियों की संख्या में लगभग 50 प्रतिशत वृद्धि की गई है तथा प्रमुख बाजारों और श्रीकृष्ण जन्मस्थान क्षेत्र में दो से तीन पालियों में सफाई कराई जा रही है। उन्होंने भंडारों के लिए एसओपी लागू करने और उल्लंघन पर कार्रवाई की भी जानकारी दी।

कार्यक्रम का संचालन परिषद के अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी राजीव पाण्डेय ने किया। इस अवसर पर पर्यावरण सलाहकार मुकेश शर्मा, डिप्टी सीईओ सतीश चंद्र, अपर नगर आयुक्त अनिल कुमार, उद्यमी, व्यापारी, समाजसेवी और स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

रूसी से छुटकारा दिलाएंगे रसोई के ये आसान नुस्खे

मेथी, नीम और एप्पल साइडर विनेगर से स्कैल्प रहेगा स्वस्थ डैंड्रफ पर लगेगी लगाम

यूनिक समय, नई दिल्ली। अगर बार–बार सिर में रूसी (डैंड्रफ) की समस्या परेशान कर रही है, तो केवल महंगे शैंपू पर निर्भर रहने के बजाय कुछ प्राकृतिक उपाय भी आजमा सकते हैं। विशेषज्ञों के अनुसार डैंड्रफ सिर्फ ड्राई स्कैल्प की वजह से नहीं, बल्कि मालासेज़िया नामक फंगस की अधिक वृद्धि के कारण भी होता है। यह फंगस सिर के प्राकृतिक तेल पर पनपता है और समय के साथ रूसी बढ़ने लगती है। डॉक्टरों के अनुसार मेथी दाना इस समस्या में काफी फायदेमंद माना जाता है। दो चम्मच मेथी दाना रातभर पानी में भिगोकर सुबह उसका पेस्ट तैयार करें और स्कैल्प पर 30 मिनट तक लगाकर धो लें। सप्ताह में दो से तीन बार इसका इस्तेमाल करने से अच्छे परिणाम मिल सकते हैं। एप्पल साइडर विनेगर भी स्कैल्प का प्राकृतिक पीएच संतुलित रखने में मदद करता है। एक चम्मच एप्पल साइडर विनेगर को बराबर मात्रा में पानी मिलाकर बालों की जड़ों में लगाएं और कुछ देर बाद माइल्ड शैंपू से बाल धो लें। इसे हमेशा पानी में मिलाकर ही इस्तेमाल करें। नीम की पत्तियों को पानी में उबालकर तैयार किया गया गुनगुना पानी भी डैंड्रफ कम करने में कारगर माना जाता है। नियमित रूप से इससे बाल धोने पर स्कैल्प साफ रहता है और फंगल संक्रमण का खतरा कम हो सकता है।

यदि लंबे समय तक रूसी बनी रहे, खुजली बढ़ जाए या बाल तेजी से झड़ने लगें, तो घरेलू उपायों के साथ त्वचा विशेषज्ञ की सलाह लेना भी जरूरी है।

सद्गुरु के विचार देंगे सफलता की नई राह

यूनिक समय, नई दिल्ली। प्रसिद्ध आध्यात्मिक गुरु और मोटिवेशनल स्पीकर सद्गुरु जग्गी वासुदेव अपने सरल, तार्किक और प्रेरणादायक विचारों के लिए दुनिया भर में जाने जाते हैं। उनका मानना है कि जीवन की दिशा बाहरी परिस्थितियां नहीं, बल्कि व्यक्ति की सोच और आंतरिक स्थिति तय करती है। सद्गुरु कहते हैं कि कठिनाइयां जीवन का हिस्सा हैं, लेकिन दुख हमारी मानसिक अवस्था से पैदा होता है। उनके अनुसार, सफलता पाने के लिए सबसे पहले स्वयं पर काम करना जरूरी है। वे कहते हैं कि जीवन तभी सुंदर बनता है, जब इंसान बिना किसी स्वार्थ के अपना सर्वश्रेष्ठ देता है। सद्गुरु का यह भी मानना है कि यादों और कल्पनाओं में उलझकर दुखी होना व्यर्थ है, क्योंकि वर्तमान ही सबसे बड़ा सत्य है। वे लोगों को अपनी आंतरिक शक्ति पहचानने, सकारात्मक सोच अपनाने और दूसरों की राय से प्रभावित होने के बजाय अपने लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित करने की सलाह देते हैं।

तंदूरी स्वाद के साथ बनाएं हाई प्रोटीन राजमा टैकोस

राजमा, पनीर और मसालों का शानदार मेल, स्वाद के साथ मिलेगा भरपूर प्रोटीन

यूनिक समय, नई दिल्ली। अगर आप नाश्ते में कुछ ऐसा खाना चाहते हैं जो स्वादिष्ट होने के साथ–साथ हेल्दी भी हो, तो हाई प्रोटीन राजमा टैकोस एक बेहतरीन विकल्प है। राजमा, पनीर और मसालों से तैयार यह रेसिपी शरीर को भरपूर प्रोटीन देने के साथ लंबे समय तक पेट भरा रखने में भी मदद करती है। कम तेल में बनने वाली यह डिश वजन नियंत्रित रखने वाले लोगों और फिटनेस पसंद करने वालों के लिए भी काफी फायदेमंद मानी जाती है। इसका हल्का तंदूरी और स्मोकी फ्लेवर इसे सामान्य नाश्ते से बिल्कुल अलग स्वाद देता है। इस रेसिपी को बनाने के लिए सबसे पहले एक कप अच्छी तरह उबले हुए राजमा लें और उन्हें मैश कर लें। इसमें मैश किया हुआ पनीर, कश्मीरी लाल मिर्च, धनिया पाउडर, जीरा पाउडर, चाट मसाला, बारीक कटा लहसुन, हरी मिर्च, नमक और हरा धनिया मिलाकर मुलायम मिश्रण तैयार करें। मिश्रण को अच्छी तरह गूंधकर छोटी–छोटी बॉल बना लें। अब एक स्वादिष्ट क्रीमी डिप तैयार करें। इसके लिए पनीर के टुकड़े, ग्रीक योगर्ट, भुना हुआ लहसुन, काली मिर्च, पिज्जा सीजनिंग, आधा नींबू का रस, थोड़ा नमक और हरा धनिया मिलाकर मिक्सर में पीस लें। तैयार डिप टैकोस को रेस्टोरेंट जैसा स्वाद देती है। इसके बाद प्याज को कुछ मिनट बर्फ वाले पानी में भिगोकर निकालें। इसमें कश्मीरी लाल मिर्च, चाट मसाला, काला नमक, सरसों का तेल, बारीक कटी हरी मिर्च, नींबू का रस और हरा धनिया मिलाकर मसालेदार सलाद तैयार करें। अब पहले से बनी रोटी को गर्म तवे पर रखें। उस पर राजमा की बॉल रखकर हल्के हाथ से दबाएं ताकि मिश्रण रोटी पर अच्छी तरह चिपक जाए। दोनों तरफ से सुनहरा और हल्का क्रिस्पी होने तक सेंकें। इसके बाद रोटी पर क्रीमी पनीर डिप फैलाएं, ऊपर से मसालेदार प्याज रखें और रोटी को फोल्ड करके टैकोस का आकार दें।

ट्रूकॉलर पर मंडराया खतरा, बढ़ी सरकार की सख्ती

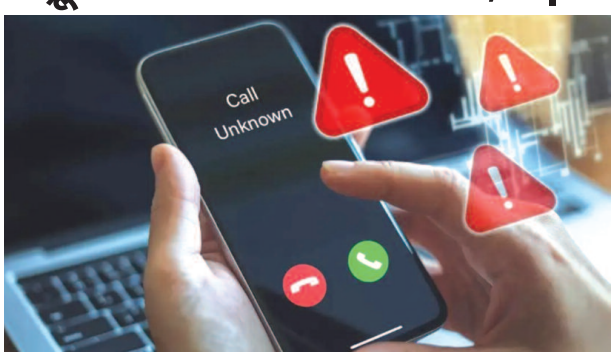

कमर्शियल नंबरों को स्पैम बताने के आरोप

नियमों के उल्लंघन पर हो सकती है बड़ी कार्रवाई

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने ट्रूकॉलर, हिया और व्हॉसकॉल जैसे कॉल मैनेजमेंट ऐप्स के खिलाफ कार्रवाई की तैयारी शुरू कर दी है। इन ऐप्स पर आरोप है कि ये 1400 और 1600 सीरीज के अधिकृत कमर्शियल नंबरों को स्पैम के रूप में दिखा रहे हैं, जिससे वैध व्यावसायिक कॉल प्रभावित हो रही हैं। ट्राई ने इस मामले में सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम के तहत कार्रवाई की मांग की है। ट्राई सीधे इन ऐप्स पर कार्रवाई नहीं कर सकता, क्योंकि ये उसके अधिकार क्षेत्र में नहीं आते। इसके लिए इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय और दूरसंचार विभाग की अनुमति आवश्यक होगी। बताया जा रहा है कि मंत्रालय ने ट्राई के प्रस्ताव पर सहमति जता दी है और अब आगे की प्रक्रिया दूरसंचार विभाग के स्तर पर पूरी की जाएगी। उधर, ट्रूकॉलर ने आरोपों को खारिज करते हुए कहा है कि कंपनी किसी अधिकृत नंबर सीरीज को स्वतः स्पैम टैग या ब्लॉक नहीं करती। यदि किसी नंबर पर स्पैम का संकेत दिखाई देता है, तो वह कंपनी की ओर से स्वतः नहीं लगाया जाता। यदि जांच में नियमों के उल्लंघन की पुष्टि होती है, तो संबंधित ऐप्स को नोटिस जारी किया जा सकता है। गंभीर स्थिति में उनके खिलाफ कड़ी नियामकीय कार्रवाई या प्रतिबंध लगाने पर भी विचार किया जा सकता है।

स्विमसूट विवाद से जन्मी मिस यूनिवर्स की कहानी

यूनिक समय, नई दिल्ली। दुनिया की सबसे प्रतिष्ठित ब्यूटी प्रतियोगिताओं में शामिल मिस यूनिवर्स की शुरुआत खूबसूरती के जश्न से नहीं, बल्कि एक बड़े विवाद से हुई थी। साल 1951 में मिस अमेरिका विजेता योलांडे बेटबेझ ने स्विमसूट प्रमोशन के लिए फोटोशूट करने से इनकार कर दिया, जिससे प्रतियोगिता की प्रायोजक कंपनी कैटालिना स्विमवियर नाराज हो गई। इसके बाद कंपनी ने अलग होकर मिस यूएसए और मिस यूनिवर्स प्रतियोगिताओं की नींव रखी। साल 1952 में अमेरिका के लॉन्ग बीच में पहली मिस यूनिवर्स प्रतियोगिता आयोजित हुई, जिसमें भारत सहित 29 देशों ने हिस्सा लिया। भारत का प्रतिनिधित्व प्रसिद्ध शास्त्रीय नृत्यांगना इंद्राणी रहमान ने किया था। पहली मिस यूनिवर्स का ताज फिनलैंड की 17 वर्षीय आर्मी कूसेला के सिर सजा।

सूजन को न करें नजरअंदाज शरीर दे रहा चेतावनी

यूनिक समय, नई दिल्ली। शरीर के हाथ, पैर, टखने, चेहरे या उंगलियों में बार–बार सूजन आना सामान्य बात नहीं है। कई बार यह केवल लंबे समय तक खड़े रहने या चोट लगने से होती है,

लेकिन लगातार बनी रहने वाली सूजन किसी गंभीर बीमारी का संकेत भी हो सकती है। विशेषज्ञों के अनुसार, हार्ट फेलियर, किडनी की बीमारी, लिवर सिरोसिस, डीप वेन थ्रॉम्बोसिस (डीवीटी) और क्रॉनिक वेनस इनसफिशिएंसी जैसी समस्याओं में शरीर में तरल पदार्थ जमा होने से सूजन हो सकती है। यदि सूजन के साथ सांस लेने में तकलीफ, सीने में दर्द, एक पैर में अचानक सूजन, तेज दर्द या तेजी से वजन बढ़ने जैसे लक्षण दिखाई दें, तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए।

सूजन से बचाव के लिए नियमित व्यायाम करें, लंबे समय तक एक ही स्थिति में न रहें, नमक का सीमित सेवन करें, पर्याप्त पानी पिएं और संतुलित आहार लें। यदि सूजन बार–बार हो रही है या लंबे समय तक बनी रहती है, तो इसे नजरअंदाज करने के बजाय चिकित्सकीय जांच जरूर कराएं।

सुविचार

इंसान अपनी सोच से बड़ा बनता है।

कल का पंचांग

तिथि	अष्टमी	01:47-01:25 तक	पक्ष	कृष्ण पक्ष
नक्षत्र	रेवती	04:24-04:00 तक	माह	आषाढ़
सूर्योदय		5:34 AM	चन्द्रोदय	11:47 PM
सूर्यास्त		7:14 PM	चंद्रास्त	12:57 PM
सूर्य राशि		मिथुन राशि	चंद्र	मीन राशि
शुभ मुहूर्त		11:56AM -12:50 PM	ब्रहम् मुहूर्त	03:53-04:41
त्योहार/व्रत			विक्रम संवत्	2083
राहुकाल		03:49 PM: 05:31 PM	वार	मंगलवार

ब्रज के मंदिरों के दर्शन

ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

मंदिर खुलने व बंद होने का समय

- श्रीबांके बिहारीजी मंदिर में सुबह 8.00 से दोपहर 01.30 बजे तक और शाम 4.00 से रात 9.00 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि में श्री गर्भगृह के दर्शन सुबह 6.30 बजे से रात 9 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि के भागवत भवन व अन्य मंदिर में सुबह 6.30 बजे से दोपहर 12 बजे तक और शाम 4 बजे से रात 9 बजे तक।
- द्वारकाधीश मंदिर में सुबह 6.30 बजे से 11 बजे तक और शाम 4 बजे से 7.30 बजे तक।

कल का राशिफल

मेष: कार्यक्षेत्र में नई जिम्मेदारी मिलेगी। आत्मविश्वास बढ़ेगा। परिवार का सहयोग मिलेगा। अनावश्यक खर्च से बचें। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा।

वृषभ: आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। रुके कार्य पूरे होंगे। रिश्तों में मधुरता बढ़ेगी। निवेश सोच-समझकर करें। यात्रा संभव है।

मिथुन: नौकरी में सफलता मिलेगी। नए अवसर सामने आएंगे। मित्रों का सहयोग मिलेगा। विवादों से दूरी रखें। मन प्रसन्न रहेगा।

कर्क: पारिवारिक वातावरण सुखद रहेगा। कारोबार में लाभ होगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। धैर्य से निर्णय लेना लाभदायक रहेगा।

सिंह: सम्मान बढ़ेगा। नए संपर्क लाभ दिलाएंगे। विद्यार्थियों को सफलता मिलेगी। आत्मविश्वास बनाए रखें। धन संबंधी मामलों में सतर्क रहें।

कन्या: कार्यों में प्रगति होगी। आर्थिक लाभ के योग हैं। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा। जल्दबाजी से बचें। यात्रा शुभ रहेगी।

तुला: नई योजनाएं सफल होंगी। करियर में उन्नति मिलेगी। परिवार के साथ समय बिताएं। खर्च नियंत्रित रखें। मन शांत रहेगा।

वृश्चिक: रुका धन मिलने की संभावना है। कार्यक्षेत्र में प्रशंसा मिलेगी। स्वास्थ्य बेहतर रहेगा। क्रोध पर नियंत्रण रखें। लाभ मिलेगा।

धनु: भाग्य का साथ मिलेगा। धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। नौकरी में प्रगति होगी। परिवार में खुशियां आएंगी। यात्रा शुभ।

मकर: मेहनत का पूरा फल मिलेगा। व्यापार में लाभ होगा। रिश्तों में विश्वास बढ़ेगा। सेहत का ध्यान रखें। सफलता मिलेगी।

कुंभ: नए अवसर मिलेंगे। आर्थिक स्थिति बेहतर होगी। मित्रों से सहयोग मिलेगा। सकारात्मक सोच बनाए रखें। शुभ समाचार प्राप्त होगा।

मीन: मनचाहा कार्य पूरा होगा। पारिवारिक सुख मिलेगा। निवेश लाभदायक रहेगा। आत्मविश्वास बढ़ेगा। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

दूसरों का हक छीनने वालों को मिलता कठोर दंड

गरुड़ पुराण में रौरव नरक का वर्णन विस्तार

हमेशा ईमानदारी और न्यायपूर्ण जीवन अपनाना चाहिए

यूनिक समय, मथुरा। सनातन धर्म के प्रमुख ग्रंथ गरुड़ पुराण में मनुष्य के कर्मों और उनके परिणामों का विस्तार से वर्णन किया गया है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, किसी दूसरे व्यक्ति की संपत्ति, धन, भूमि या वैध अधिकार पर छल, कपट या बलपूर्वक कब्जा करना गंभीर पाप माना गया है। ग्रंथ में बताया गया है कि ऐसे कर्मों का प्रभाव केवल इस जीवन तक सीमित नहीं रहता, बल्कि मृत्यु के बाद भी व्यक्ति को अपने कर्मों का फल भोगना पड़ता है। इन शिक्षाओं का उद्देश्य लोगों को भयभीत करना नहीं, बल्कि न्याय, सत्य और सदाचार का पालन करने के लिए प्रेरित करना है। गरुड़ पुराण में वर्णित मान्यताओं के अनुसार, जो व्यक्ति लालच में आकर दूसरों का अधिकार छीनता है या अनुचित तरीके से संपत्ति हड़प लेता है, उसे मृत्यु के बाद कठोर दंड का सामना करना पड़ता है। धार्मिक विद्वानों का मानना है कि यह संदेश समाज में ईमानदारी, पारदर्शिता और नैतिक मूल्यों को मजबूत करने के लिए दिया गया है। धार्मिक ग्रंथों में रौरव नरक को अत्यंत कष्टदायक स्थानों में से एक बताया गया है। मान्यता है कि जीवन में दूसरों का अधिकार छीनने, अन्याय करने या छल-कपट से धन अर्जित करने वाले लोगों को यहां भेजा जाता है। ग्रंथ के अनुसार, वहां पापी आत्मा को अपने कर्मों के अनुरूप कठिन यातनाएं सहनी पड़ती हैं, जिससे उसे अपने किए गए अन्याय का बोध हो सके। गरुड़ पुराण में यह भी उल्लेख मिलता है कि जिन लोगों का अधिकार छीना गया होता है, वे परलोक में 'रुरु' नामक विषैले और भयावह सर्पों का रूप धारण कर लेते हैं।

MANNAT GROUP
Building Your Vision, Creating Reality

धार्मिक मान्यता के अनुसार, यही सर्प पापी को बार-बार डसते हैं और उसे असहनीय पीड़ा का अनुभव कराते हैं। यह दंड तब तक चलता है, जब तक उसके पापों का पूर्ण प्रायश्चित नहीं हो जाता। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, मृत्यु के बाद प्रत्येक व्यक्ति को यमराज के समक्ष अपने कर्मों का लेखा-जोखा देना पड़ता है। वहां किसी का पद, प्रतिष्ठा या धन नहीं, बल्कि उसके अच्छे और बुरे कर्म ही निर्णय का आधार बनते हैं। इसी कारण धर्मग्रंथ सत्य, न्याय और ईमानदारी के मार्ग पर चलने की सीख देते हैं।

गरुड़ पुराण का मूल संदेश यह है कि लालच और अन्याय से अर्जित संपत्ति कभी स्थायी सुख नहीं देती।

इसके विपरीत, परिश्रम और ईमानदारी से कमाया गया धन ही वास्तविक सम्मान और संतोष प्रदान करता है। धार्मिक दृष्टि से भी दूसरों के अधिकार का सम्मान करना और अपने हिस्से में संतोष रखना श्रेष्ठ आचरण माना गया है।

116 साल की दादी का अद्भुत हौंसला

पैदल चढ़ीं तिरुमाला की 3550 सीढ़ियां

यूनिक समय, मथुरा। कर्नाटक की रहने वाली लक्ष्मव्वा (भीमव्वा) इन दिनों अपनी अद्भुत आस्था और अटूट इच्छाशक्ति के कारण देशभर में चर्चा का विषय बनी हुई हैं। परिवार का दावा है कि उनकी उम्र 116 वर्ष है। हालांकि उनकी आयु की आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है, लेकिन तिरुमाला मंदिर तक पहुंचने के लिए उन्होंने 3,550 सीढ़ियां पैदल चढ़कर सभी को हैरान कर दिया।

लक्ष्मव्वा अपने परिवार के साथ भगवान वेंकटेश्वर के दर्शन के लिए तिरुमाला पहुंचीं। उन्होंने प्रसिद्ध अलीपिरी पैदल मार्ग से यात्रा करने का संकल्प लिया। कमजोर नजर और अधिक उम्र के बावजूद उन्होंने किसी की शारीरिक सहायता नहीं ली। रास्ते में बनी दीवार का सहारा लेकर वह धीरे-धीरे आगे बढ़ती रहीं, जबकि परिवार के सदस्य पूरे समय उनके साथ चलते हुए उनका उत्साह बढ़ाते रहे।

यात्रा के दौरान लक्ष्मव्वा लगातार "गोविंदा-गोविंदा" का जाप करती रहीं। उनके चेहरे पर थकान से अधिक श्रद्धा और संतोष दिखाई दिया। रास्ते में मौजूद श्रद्धालु भी उनके साहस को देखकर प्रभावित हुए। कई लोगों ने उनका वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर साझा किया, जहां यह तेजी से वायरल हो गया। लोग उनकी भक्ति, आत्मविश्वास और दृढ़ संकल्प की जमकर सराहना कर रहे हैं।

हालांकि परिवार का दावा है कि लक्ष्मव्वा की उम्र 116 वर्ष है, लेकिन इस संबंध में कोई आधिकारिक दस्तावेज या सरकारी पुष्टि सामने नहीं आई है। इसके बावजूद इतनी अधिक उम्र में कठिन पैदल चढ़ाई पूरी करना अपने आप में असाधारण उपलब्धि माना जा रहा है।

मूलांक तीन वाले हैं श्रेष्ठ मार्गदर्शक हर मुश्किल में देते हैं सही सलाह

यूनिक समय, मथुरा। अंकज्योतिष के अनुसार जिन लोगों का जन्म 3, 12, 21 या 30 तारीख को होता है, उनका मूलांक 3 माना जाता है। मान्यता है कि इस मूलांक के लोगों पर देवगुरु बृहस्पति की विशेष कृपा रहती है, जिसके कारण वे बुद्धिमान, विवेकशील और दूसरों का सही मार्गदर्शन करने वाले होते हैं।

अंकज्योतिष में मूलांक 3 के लोगों को उत्कृष्ट सलाहकार माना गया है। कहा जाता है कि ये किसी भी समस्या को गहराई से समझकर उसका व्यावहारिक समाधान खोजने की क्षमता रखते हैं। यही कारण है कि परिवार, मित्र और परिचित अक्सर महत्वपूर्ण निर्णयों में इनकी राय लेना पसंद करते हैं।

मूलांक 3 के लोगों में नेतृत्व क्षमता, आत्मविश्वास और सकारात्मक सोच भरपूर होती है। धार्मिक प्रवृत्ति और सही-गलत की स्पष्ट समझ इन्हें दूसरों से अलग पहचान दिलाती है। ये कठिन परिस्थितियों में भी धैर्य बनाए रखते हैं और अपने अनुभव के आधार पर लोगों को सही दिशा दिखाने का प्रयास करते हैं। मान्यता है कि दूसरों की मदद करना इनका स्वभाव होता है। यही गुण इन्हें अच्छे शिक्षक, सलाहकार, प्रबंधक और प्रेरक वक्ता बनने में सहायक बनाते हैं। हालांकि, अंकज्योतिष की ये मान्यताएं पारंपरिक विश्वासों पर आधारित हैं और इन्हें वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित तथ्य नहीं माना जाता।

घर में रखे यह पौधे बढ़ा सकते हैं आपकी मुश्किलें

पौधे लगाते समय वास्तु मान्यताओं का रखें भी ध्यान

वैज्ञानिक दृष्टिकोण और व्यक्तिगत आस्था दोनों महत्वपूर्ण हैं

यूनिक समय, मथुरा। घर में हरियाली सकारात्मक माहौल, ताजगी और मानसिक सुकून का एहसास कराती है। अधिकांश पौधे वातावरण को बेहतर बनाने और घर की सुंदरता बढ़ाने में मदद करते हैं। हालांकि, वास्तु शास्त्र में कुछ ऐसे पौधों का उल्लेख मिलता है, जिन्हें घर के भीतर लगाने से बचने की सलाह दी जाती है। इन मान्यताओं के अनुसार ऐसे पौधे परिवार की सुख-शांति, आर्थिक उन्नति और सकारात्मक ऊर्जा पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकते हैं। हालांकि इन दावों का वैज्ञानिक प्रमाण उपलब्ध नहीं है और इन्हें धार्मिक एवं पारंपरिक मान्यताओं के रूप में देखा जाता है।

वास्तु विशेषज्ञों के अनुसार कांटेदार पौधों, विशेषकर गुलाब और अन्य अधिक कांटों वाले पौधों को घर के मुख्य हिस्सों में लगाने से बचना चाहिए। मान्यता है कि इनके कारण परिवार के सदस्यों के बीच मतभेद और तनाव की स्थिति बन सकती है। यदि ऐसे पौधे लगाने ही हों तो उन्हें ऐसे स्थान पर रखा जाए, जहां लोगों की आवाजाही कम हो। इसी प्रकार घर में सूखे या पूरी तरह मुरझाए पौधों को रखना भी शुभ नहीं माना जाता। माना जाता है कि ऐसे पौधे नकारात्मकता और ठहराव का प्रतीक बन जाते हैं। इसलिए समय-समय पर सूखे पौधों को हटाकर उनकी जगह स्वस्थ और हरे-भरे पौधे लगाने की सलाह दी जाती है। वास्तु में ऐसे पौधों से भी दूरी बनाने की बात कही गई है, जिनसे दूध जैसा सफेद रस निकलता है। इनमें कुछ पेड़-पौधे जैसे आक, बरगद और पपीता शामिल किए जाते हैं। मान्यता है कि इन्हें घर के भीतर लगाने से तनाव, आर्थिक परेशानी और स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं बढ़ सकती हैं। बोनसाई पौधों को भी वास्तु में प्रगति और विकास में बाधा का प्रतीक माना गया है। वहीं मिस्टलेटो और कपास के पौधों को भी कई पारंपरिक मान्यताओं में घर के लिए अनुकूल नहीं माना जाता। कुछ लोग घर में पौधों की संख्या सम रखने की सलाह भी देते हैं, हालांकि इसका कोई वैज्ञानिक आधार नहीं है।

विशेषज्ञों का कहना है कि पौधों का चयन करते समय उनकी देखभाल, सुरक्षा, उपयोगिता और घर की आवश्यकताओं को प्राथमिकता देना चाहिए।

सम्पादकीय

दिखावे की अंधी दौड़ में बचत सबसे बड़ी समझदारी है

आज का समय जितना सुविधाओं का है, उतना ही दिखावे का भी बन चुका है। सोशल मीडिया की चमक–दमक ने लोगों के जीवन का ऐसा आईना तैयार कर दिया है, जिसमें वास्तविकता कम और प्रदर्शन अधिक दिखाई देता है। महंगे मोबाइल, ब्रांडेड कपड़े, आलीशान रेस्तरां, विदेश यात्राएं और हर छोटे अवसर पर भव्य आयोजन–सब कुछ इस होड़ का हिस्सा बन गए हैं। ऐसे माहौल में पैसा बचाना केवल आर्थिक आदत नहीं, बल्कि एक महत्वपूर्ण जीवन–कौशल बन गया है।

पवन गौतम
संपादक

कभी बचत को भविष्य की सुरक्षा माना जाता था, लेकिन आज कई लोग इसे "पुराने जमाने की सोच" समझने लगे हैं। क्रेडिट कार्ड, आसान ईएमआई और ऑनलाइन ऋण ने खर्च करना पहले से कहीं आसान बना दिया है। नतीजा यह है कि कई लोग अपनी आय से अधिक खर्च करने लगे हैं। दिखावे के लिए खरीदी गई वस्तुएं कुछ समय की खुशी तो देती हैं, लेकिन बाद में कर्ज और आर्थिक तनाव का कारण भी बन सकती हैं।

वास्तविक समृद्धि महंगी चीजें खरीदने में नहीं, बल्कि आर्थिक स्वतंत्रता हासिल करने में है। जो व्यक्ति अपनी आय का एक हिस्सा नियमित रूप से बचाता है, वही कठिन समय में आत्मविश्वास के साथ खड़ा रह सकता है। बीमारी, नौकरी का संकट या किसी आकस्मिक आवश्यकता के समय बचत ही सबसे भरोसेमंद साथी साबित होती है।

संपादकीय सुनने के लिए मोबाइल से QR कोड को स्कैन करें।

बचत का अर्थ यह नहीं कि जीवन की खुशियों से दूरी बना ली जाए। इसका मतलब केवल इतना है कि इच्छाओं और आवश्यकताओं के बीच अंतर समझा जाए। हर नई वस्तु खरीदना जरूरी नहीं होता और हर फैशन का हिस्सा बनना भी समझदारी नहीं है। कई बार सादगी ही सबसे बड़ी संपन्नता होती है। बच्चों और युवाओं में भी बचत की आदत विकसित करना समय की मांग है। यदि परिवार और विद्यालय उन्हें वित्तीय अनुशासन का महत्व समझाएं, तो वे भविष्य में बेहतर आर्थिक निर्णय ले सकेंगे। आखिरकार, पैसा कमाना एक क्षमता है, लेकिन उसे सही ढंग से संभालना एक कला है।

दिखावे की इस तेज रफ्तार दुनिया में जो व्यक्ति अपनी इच्छाओं पर नियंत्रण रखते हुए बचत को प्राथमिकता देता है, वही वास्तव में दूरदर्शी कहलाता है। बदलते समय में पैसा बचाना कंजूसी नहीं, बल्कि समझदारी, आत्मनिर्भरता और सुरक्षित भविष्य की सबसे मजबूत नींव है।

नजरिया

रामलला के चढ़ावे पर लालच खुली करोड़ों की पोल

भारत में मंदिर केवल पूजा–अर्चना के स्थान नहीं हैं, बल्कि करोड़ों लोगों की आस्था, विश्वास और भावनाओं के केंद्र हैं। श्रद्धालु जब किसी मंदिर की दानपेटी में कुछ रुपये, सोना, चांदी या अन्य भेंट डालते हैं, तो उनका उद्देश्य किसी संस्था को समृद्ध करना नहीं होता, बल्कि अपनी श्रद्धा को भगवान के चरणों में अर्पित करना होता है। ऐसे में यदि उसी श्रद्धा पर किसी का लालच भारी पड़ जाए, तो मामला केवल चोरी का नहीं रह जाता, बल्कि विश्वास के टूटने का बन जाता है।

अयोध्या के श्रीराम मंदिर में चढ़ावे की कथित चोरी का मामला इसी वजह से पूरे देश में चर्चा का विषय बना हुआ है। जांच एजेंसियों के अनुसार जिन लोगों पर दानपेटियों से धन निकालने और उसकी गिनती की जिम्मेदारी थी, उन्हीं पर उस धन के दुरुपयोग और गबन के आरोप लगे हैं। यदि जांच में लगाए गए आरोप सही साबित होते हैं, तो यह केवल आर्थिक अपराध नहीं बल्कि आस्था के साथ किया गया गंभीर विश्वासघात माना जाएगा।

सबसे चौंकाने वाली बात यह बताई जा रही है कि एक ऐसा कर्मचारी, जिसकी मासिक आय लगभग 15 हजार रुपये थी, उसके पास लाखों रुपये का आलीशान मकान, फार्महाउस और एसयूवी जैसी संपत्तियां मिलीं। जांच में यह भी सामने आया कि कुछ आरोपियों ने नकदी को मोजों में छिपाकर बाहर ले जाने जैसे तरीके अपनाए। कहीं शौचालय में नकदी छिपाने की बात सामने आई तो कहीं दानपेटियों की चाबियों के दुरुपयोग की चर्चा हुई। ये विवरण यदि न्यायिक प्रक्रिया में प्रमाणित होते हैं तो यह दर्शाते हैं कि चोरी केवल अवसर मिलने पर नहीं हुई, बल्कि कथित रूप से योजनाबद्ध तरीके से लंबे समय तक चलती रही।

यह मामला हमें एक महत्वपूर्ण प्रश्न की ओर भी ले जाता है–क्या केवल भरोसे के आधार पर इतनी बड़ी जिम्मेदारियां सौंपी जा सकती हैं? किसी भी धार्मिक संस्था में पारदर्शिता और जवाबदेही उतनी ही आवश्यक है जितनी किसी सरकारी या निजी संस्था में। आस्था का अर्थ यह नहीं कि व्यवस्था की अनदेखी कर दी जाए। बल्कि जहां श्रद्धा अधिक होती है, वहां निगरानी और जवाबदेही भी उतनी ही मजबूत होनी चाहिए।

भारत में बड़े मंदिरों में हर दिन लाखों रुपये का चढ़ावा आता है। कई मंदिरों में यह राशि करोड़ों तक पहुंच जाती है। ऐसे में केवल सीसीटीवी कैमरे या कुछ कर्मचारियों पर भरोसा पर्याप्त नहीं हो सकता। आधुनिक तकनीक का उपयोग करते हुए नकदी की गिनती, रिकॉर्डिंग, डिजिटल ऑडिट, मल्टी–लेयर सुरक्षा और स्वतंत्र निरीक्षण जैसी व्यवस्थाएं अनिवार्य होनी चाहिए। बैंकिंग प्रणाली की तरह प्रत्येक चरण का रिकॉर्ड तैयार किया जाए ताकि किसी भी गड़बड़ी का तुरंत पता चल सके।

इस घटना का दूसरा पक्ष समाज के लिए भी एक संदेश छोड़ता है। अक्सर कहा जाता है कि बेईमानी लंबे समय तक छिप नहीं सकती। अचानक आय से कहीं अधिक संपत्ति, महंगी गाड़ियां, आलीशान मकान और विलासितापूर्ण जीवनशैली अंततः जांच एजेंसियों का ध्यान आकर्षित करती ही हैं। किसी व्यक्ति की घोषित आय और वास्तविक संपत्ति के बीच बड़ा अंतर हमेशा संदेह पैदा करता है।

हालांकि इस पूरे मामले में यह भी याद रखना आवश्यक है कि जांच अभी जारी है। भारतीय न्याय व्यवस्था का मूल सिद्धांत है कि किसी भी आरोपी को अदालत द्वारा दोष सिद्ध होने तक निर्दोष माना जाता है। इसलिए जांच एजेंसियों के दावों और मीडिया में सामने आ रही सूचनाओं को अंतिम सत्य नहीं माना जा सकता। अंतिम निर्णय न्यायालय और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर ही होगा। यही कानून का तकाजा भी है।

यह घटना धार्मिक संस्थाओं के प्रबंधन पर भी गंभीर विमर्श की मांग करती है। देश के अधिकांश बड़े मंदिरों में श्रद्धालुओं की संख्या लगातार बढ़ रही है। चढ़ावे की राशि भी पहले की तुलना में कहीं अधिक है। ऐसे में पारंपरिक व्यवस्थाओं की जगह आधुनिक वित्तीय प्रबंधन प्रणाली अपनाने की आवश्यकता महसूस की जा रही है। दानपेटियों की सीलबंद निगरानी, इलेक्ट्रॉनिक ट्रैकिंग, नियमित स्वतंत्र ऑडिट और कर्मचारियों का समय–समय पर सत्यापन जैसी व्यवस्थाएं भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोक सकती हैं।

इस पूरे प्रकरण का एक सामाजिक पहलू भी है। मंदिर में दान देने वाला व्यक्ति अक्सर अपनी मेहनत की कमाई का एक हिस्सा भगवान को समर्पित करता है। कोई किसान अपनी फसल की कमाई से चढ़ावा चढ़ाता है, कोई मजदूर अपनी दिनभर की मजदूरी में से कुछ रुपये निकालता है, तो कोई व्यापारी अपनी सफलता के लिए आभार व्यक्त करता है। यदि वही धन गलत हाथों में चला जाए तो नुकसान केवल पैसों का नहीं होता, बल्कि लोगों के मन में व्यवस्था के प्रति विश्वास भी कमजोर पड़ सकता है।

इसलिए आवश्यक है कि धार्मिक संस्थाएं समय रहते अपनी व्यवस्थाओं की समीक्षा करें। पारदर्शिता केवल आरोपों से बचने का माध्यम नहीं बल्कि श्रद्धालुओं के विश्वास को मजबूत करने का सबसे प्रभावी तरीका भी है। आज तकनीक इतनी विकसित हो चुकी है कि प्रत्येक दान का रिकॉर्ड सुरक्षित रखा जा सकता है, नकदी की गिनती स्वचालित मशीनों से कराई जा सकती है और पूरी प्रक्रिया की वीडियो रिकॉर्डिंग संभव है।

आखिरकार, किसी भी मंदिर की सबसे बड़ी पूंजी उसकी इमारत या धन नहीं, बल्कि श्रद्धालुओं का विश्वास होता है। यदि वही विश्वास डगमगाने लगे तो सबसे बड़ा नुकसान संस्था का ही होता है। इसलिए यह घटना केवल एक कथित चोरी की कहानी नहीं है, बल्कि उन व्यवस्थाओं को मजबूत करने का अवसर भी है, जिन पर करोड़ों लोगों की आस्था टिकी हुई है। श्रीराम का जीवन मर्यादा, सत्य और धर्म का संदेश देता है। यदि उनके नाम पर चलने वाली किसी व्यवस्था में अनियमितताओं के आरोप सामने आते हैं, तो उसका समाधान भी उन्हीं मूल्यों के अनुरूप पारदर्शिता, ईमानदारी और जवाबदेही से ही निकलेगा। यही इस पूरे घटनाक्रम का सबसे बड़ा संदेश है कि आस्था की रक्षा केवल श्रद्धा से नहीं, बल्कि मजबूत और निष्पक्ष व्यवस्था से भी होती है।

विचार विंडो

दल बड़ा या नेता, आखिर लोकतंत्र किसके साथ खड़ा ?

बोध प्रकाश सगुणी

भारतीय लोकतंत्र में राजनीतिक दल और जनप्रतिनिधि एक–दूसरे के पूरक माने जाते हैं। कोई भी उम्मीदवार केवल अपने व्यक्तिगत प्रभाव के दम पर चुनाव नहीं जीतता, बल्कि उसके पीछे पार्टी की विचारधारा, संगठन, चुनावी रणनीति और कार्यकर्ताओं की मेहनत भी होती है। यही कारण है कि जब चुनाव जीतने के बाद कोई सांसद या विधायक दल बदलता है, तो बहस केवल उसकी व्यक्तिगत स्वतंत्रता तक सीमित नहीं रहती, बल्कि यह मतदाता के जनादेश और लोकतांत्रिक मूल्यों से भी जुड़ जाती है। हाल के वर्षों में विभिन्न राजनीतिक दलों के सांसदों और विधायकों के सामूहिक रूप से दूसरी पार्टियों में जाने की घटनाओं ने इस बहस को और तेज कर दिया है।

भारत में दल–बदल की राजनीति नई नहीं है। वर्ष 1967 के बाद कई राज्यों में सरकारें विधायकों के बार–बार पाला बदलने के कारण गिरती और बनती रहीं। मंत्री पद, राजनीतिक लाभ और सत्ता की लालसा ने लोकतांत्रिक व्यवस्था को अस्थिर बना दिया था। इसी दौर में हरियाणा के विधायक गया लाल के बार–बार दल बदलने से 'आया राम, गया राम' जैसी कहावत प्रचलित हुई। इस राजनीतिक अस्थिरता पर रोक लगाने के लिए वर्ष 1985 में संविधान की दसवीं अनुसूची लागू की गई, जिसे दल–बदल विरोधी कानून कहा जाता है।

इस कानून का उद्देश्य स्पष्ट था–जो जनप्रतिनिधि जिस दल के टिकट पर चुनाव जीतकर आया है, यदि वह दल छोड़ता है या पार्टी के निर्देशों के विरुद्ध कार्य करता है, तो उसकी सदस्यता समाप्त की जा सकती है। इस व्यवस्था ने राजनीतिक खरीद–फरोख्त पर काफी हद तक अंकुश लगाया और निर्वाचित सरकारों को स्थिरता प्रदान की।

हालांकि कानून में एक महत्वपूर्ण अपवाद भी रखा गया। यदि किसी दल के दो–तिहाई सांसद या विधायक किसी अन्य दल में विलय का निर्णय लेते हैं, तो उन्हें अयोग्यता से छूट मिल सकती है। मूल रूप से यह प्रावधान वास्तविक राजनीतिक विलय की परिस्थितियों को ध्यान में रखकर बनाया

गया था, लेकिन समय के साथ इसकी व्याख्या ने नई परिस्थितियां पैदा कर दीं। कई मामलों में मूल राजनीतिक दल ने विलय का विरोध किया, फिर भी पर्याप्त संख्या पूरी होने पर निर्वाचित प्रतिनिधियों का दूसरे दल में जाना कानूनी रूप से वैध माना गया।

यहीं सबसे बड़ा प्रश्न खड़ा होता है। यदि कोई राजनीतिक दल आज भी अपने संगठन, नेतृत्व और विचारधारा के साथ सक्रिय है, तो केवल उसके सांसदों या विधायकों के दूसरी पार्टी में चले जाने को क्या वास्तव में 'दल का विलय' कहा जा सकता है? या फिर यह सामूहिक दल–बदल की नई परिभाषा बन गई है? यह सवाल केवल कानून का नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक नैतिकता का भी है।

मतदाता किसी उम्मीदवार को केवल उसके नाम पर वोट नहीं देता। वह पार्टी की नीतियों, चुनावी वादों और नेतृत्व पर भरोसा करके मतदान करता है। यदि वही जनप्रतिनिधि बाद में किसी दूसरी विचारधारा वाली पार्टी में शामिल हो जाए, तो मतदाता स्वयं को ठगा हुआ महसूस कर सकता है। इससे लोकतांत्रिक व्यवस्था में जनता का विश्वास कमजोर पड़ने का खतरा भी रहता है।

दूसरी ओर, यह भी सच है कि सांसद और विधायक जनता के निर्वाचित प्रतिनिधि होते हैं। उन्हें अपने विचार रखने और राजनीतिक मतभेद व्यक्त करने का अधिकार भी होना चाहिए। यदि पार्टी नेतृत्व पूरी तरह हावी हो जाए और जनप्रतिनिधियों को स्वतंत्र निर्णय लेने की कोई गुंजाइश न मिले, तो लोकतांत्रिक बहस और आंतरिक लोकतंत्र दोनों प्रभावित हो सकते हैं। इसलिए व्यक्तिगत स्वतंत्रता और दलगत अनुशासन के बीच संतुलन बनाए रखना आवश्यक है।

सबसे अधिक चुनौती छोटे और क्षेत्रीय दलों के सामने दिखाई देती है। जहां सदस्यों की संख्या कम होती है, वहां दो–तिहाई का आंकड़ा अपेक्षाकृत आसानी से पूरा किया जा सकता है। इससे क्षेत्रीय दलों का अस्तित्व और राज्यों की राजनीतिक स्थिरता प्रभावित हो सकती है। कई बार ऐसे घटनाक्रम सरकारों के बहुमत का गणित भी बदल देते हैं।

आज आवश्यकता इस बात की है कि दल–बदल विरोधी कानून की समीक्षा समय की मांग के अनुरूप की जाए। केवल निर्वाचित प्रतिनिधियों की संख्या ही नहीं, बल्कि मूल राजनीतिक दल की औपचारिक सहमति और संगठनात्मक निर्णय को भी महत्व देने पर विचार होना चाहिए। साथ ही ऐसे मामलों का त्वरित और पारदर्शी निस्तारण सुनिश्चित किया जाना चाहिए, ताकि राजनीतिक अनिश्चितता लंबे समय तक न बनी रहे।

लोकतंत्र की मजबूती केवल चुनाव कराने से नहीं होती, बल्कि जनता के जनादेश का सम्मान करने से होती है। राजनीतिक दलों की भूमिका भी महत्वपूर्ण है और निर्वाचित प्रतिनिधियों की स्वतंत्रता भी। इसलिए ऐसा संतुलित कानून ही लोकतंत्र को मजबूत करेगा, जिसमें न तो राजनीतिक दल पूरी तरह कमजोर हों और न ही जनप्रतिनिधियों की वैचारिक स्वतंत्रता समाप्त हो।

आखिरकार लोकतंत्र की असली शक्ति किसी नेता या दल में नहीं, बल्कि जनता के उस विश्वास में निहित है, जिसके आधार पर वह अपना मत देती है। उस विश्वास की रक्षा करना ही हर लोकतांत्रिक व्यवस्था का सबसे बड़ा दायित्व होना चाहिए।

दस खिलाड़ियों के दम पर इंग्लैंड का कमाल

यूनिक समय, नई दिल्ली। फीफा वर्ल्ड कप 2026 के राउंड ऑफ–16 में फुटबॉल प्रेमियों को एक ऐसा मुकाबला देखने को मिला, जिसे लंबे समय तक याद रखा जाएगा। संयुक्त मेजबान मेक्सिको के खिलाफ इंग्लैंड ने 10 खिलाड़ियों के साथ खेलते हुए 3–2 से रोमांचक जीत दर्ज की और क्वार्टर फाइनल का टिकट पक्का कर लिया। रेड कार्ड मिलने के बाद भी इंग्लैंड ने जिस जज्बे और अनुशासन के साथ खेल दिखाया, उसने सभी को प्रभावित किया।

मैच की शुरुआत से ही दोनों टीमों ने आक्रामक फुटबॉल खेली। पहले हाफ में इंग्लैंड के युवा स्टार जूड बेलिंगहम ने महज 99 सेकंड के भीतर दो गोल दागकर मैच का रुख बदल दिया। उन्होंने 36वें और 38वें मिनट में लगातार गोल करते हुए मेक्सिको की रक्षा पंक्ति को पूरी तरह चौंका दिया। हालांकि, मेक्सिको ने भी हार नहीं मानी और 42वें मिनट में जूलियन क्विानोनेस ने शानदार गोल कर स्कोर 2–1 कर दिया। पहले हाफ में सिर्फ छह मिनट के भीतर तीन गोल देखने को मिले, जिससे मुकाबला बेहद रोमांचक बन गया।

दूसरे हाफ में इंग्लैंड की मुश्किलें तब बढ़ गईं, जब 54वें मिनट में जारेल क्वान्सा को रेड कार्ड दिखाया गया। इसके बाद इंग्लैंड को बाकी मैच सिर्फ 10 खिलाड़ियों के साथ खेलना पड़ा। लेकिन टीम ने दबाव में भी शानदार संयम दिखाया।

60वें मिनट में हैरी केन ने पेनल्टी को गोल में बदलकर इंग्लैंड को 3–1 की बढ़त दिला दी।

मेक्सिको ने भी जवाबी हमला जारी रखा और 69वें मिनट में राउल जिमेनेज़ ने पेनल्टी पर गोल कर स्कोर 3–2 कर दिया। इसके बाद अंतिम

मेजबान मेक्सिको को 3–2 से हराकर क्वार्टर फाइनल में बनाई जगह

रेड कार्ड के बावजूद इंग्लैंड की शानदार जीत

20 मिनट तक मेक्सिको ने बराबरी के लिए लगातार हमले किए, लेकिन इंग्लैंड के गोलकीपर जॉर्डन पिकफोर्ड चट्टान बनकर खड़े रहे। उन्होंने कई शानदार बचाव कर अपनी टीम की जीत सुनिश्चित कर दी। इस दमदार जीत के साथ इंग्लैंड ने न केवल मेजबान मेक्सिको का सफर समाप्त किया, बल्कि 1966 के बाद दूसरी बार विश्व चैंपियन बनने के अपने सपने को भी जिंदा रखा।

अब क्वार्टर फाइनल में इंग्लैंड का सामना नॉर्वे से होगा, जहां टीम इसी आत्मविश्वास के साथ एक और बड़ी जीत दर्ज करने की कोशिश करेगी।

'गदर' की सकीना को लेकर अनिल शर्मा का बड़ा खुलासा

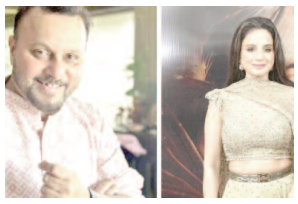

'गदर' के सेट पर रो पड़ा था पूरा क्रू

अमीषा पटेल की जमकर की तारीफ

यूनिक समय, नई दिल्ली। बॉलीवुड अभिनेत्री अमीषा पटेल हाल ही में डांस रियलिटी शो 'इंडियाज बेस्ट डांसर सीजन 5' में पहुंचीं, जहां उन्हें एक खास सरप्राइज मिला। 'गदर' के निर्देशक अनिल शर्मा ने वीडियो संदेश के जरिए न सिर्फ उनकी जमकर तारीफ की, बल्कि फिल्म की शूटिंग से जुड़ा एक ऐसा भावुक किस्सा भी साझा किया, जिसने सभी का दिल जीत लिया। अनिल शर्मा ने बताया कि 'गदर' में 'सकीना' का किरदार निभाने के लिए अमीषा ने हर सीन पर बेहद मेहनत की थी। उन्होंने कहा कि एक भावुक द्रश्य, जिसमें सकीना मौलवी से कहती है कि "मैं जहर खाकर मर भी नहीं सकती, क्योंकि मुझे पता है तारा मुझे ढूंढने जरूर आएगा," की शूटिंग के दौरान अमीषा की दमदार अदाकारी ने पूरा माहौल भावुक कर दिया था। उनके अभिनय को देखकर सेट पर मौजूद कई क्रूमेंबर्स की आंखें नम हो गई थीं और शूट खत्म होते ही तालियों की गूंज सुनाई दी। अनिल शर्मा ने अमीषा की खूबसूरती की भी तारीफ करते हुए कहा कि पहली मुलाकात से लेकर आज तक वह बिल्कुल वैसी ही दिखती हैं। उन्होंने अमीषा को अपने परिवार का हिस्सा बताते हुए कहा कि उनके साथ काम करना हमेशा बेहद खास अनुभव रहा है।

रवि बिश्नोई पर लटक रही बाहर होने की तलवार

नो–बॉल नहीं बनी वजह

फैसले से बदल जाएगी प्लेइंग इलेवन

यूनिक समय, नई दिल्ली। आयरलैंड के खिलाफ टी-20 सीरीज गंवाने के बाद भारतीय टीम दबाव में है और इंग्लैंड दौरे पर भी जीत का इंतजार जारी है। लगातार खराब प्रदर्शन के बीच अब तीसरे टी-20 मुकाबले के लिए टीम इंडिया की प्लेइंग इलेवन में बड़े बदलाव के संकेत मिल रहे हैं। सबसे ज्यादा चर्चा लेग स्पिनर रवि बिश्नोई को लेकर है, जिनका बाहर होना लगभग तय माना जा रहा है। हालांकि, बिश्नोई के बाहर होने की वजह सिर्फ उनकी नो–बॉल नहीं है। मैनचेस्टर टी-20 में वह पूरी तरह लय से बाहर दिखे। उन्होंने अपने चार ओवर में 60 रन लुटाए और एक भी विकेट हासिल नहीं कर सके। इससे पहले उनकी तीन बैक–फुट नो–बॉल और 29 रन वाला ओवर भी भारत के लिए महंगा साबित हुआ था। टीम प्रबंधन का मानना है कि ट्रेंट ब्रिज की पिच तेज गेंदबाजों के लिए ज्यादा मददगार हो सकती है। ऐसे में पहले से मौजूद अक्षर पटेल और वरुण चक्रवर्ती के रहते तीसरे स्पिनर की जरूरत कम नजर आ रही है। इसी वजह से भारत अतिरिक्त तेज गेंदबाज के साथ उतर सकता है। श्रेयस अय्यर की कप्तानी में भारत अब तक चार में से तीन मुकाबले हार चुका है। ऐसे में तीसरे टी-20 में जीत हासिल करने के लिए टीम मैनेजमेंट कोई जोखिम नहीं लेना चाहता और प्लेइंग इलेवन में बड़ा बदलाव लगभग तय माना जा रहा है।

ओटीटी से हटने पर दिलजीत दोसांझ का जवाब चर्चा में

हरभजन सिंह ने की दिल खोलकर तारीफ

दोसांझ का बयान भी वायरल

यूनिक समय, नई दिल्ली। दिलजीत दोसांझ की फिल्म 'सतलुज' रिलीज के कुछ ही दिनों बाद एक बड़े विवाद के केंद्र में आ गई है। यह फिल्म 3 जुलाई को ओटीटी प्लेटफॉर्म जी5 पर रिलीज हुई थी, लेकिन अचानक इसे प्लेटफॉर्म से हटा दिया गया, जिसके बाद सोशल मीडिया पर इसे लेकर बहस तेज हो गई है। हालांकि फिल्म हटने के बावजूद इसकी लोकप्रियता पर कोई असर नहीं पड़ा है और दर्शकों के बीच इसे लेकर लगातार चर्चा जारी है। फिल्म का निर्देशन हनी तेहरान ने किया है और यह जसवंत सिंह खालरा के जीवन और उनके साहसिक संघर्ष से प्रेरित कहानी पर आधारित है। रिलीज के बाद फिल्म को दर्शकों से शानदार प्रतिक्रिया मिली और पर इसे 9.3 की दमदार रेटिंग भी प्राप्त हुई। खासकर पंजाब और सिख समुदाय से जुड़े दर्शकों ने इसे बेहद भावनात्मक और प्रभावशाली फिल्म बताया। फिल्म की कहानी और प्रस्तुति ने कई लोगों को गहराई से प्रभावित किया है।

इसी बीच पूर्व भारतीय क्रिकेटर हरभजन सिंह ने भी फिल्म देखने के बाद अपनी प्रतिक्रिया साझा की। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि जसवंत सिंह खालरा की कहानी सिर्फ एक व्यक्ति की नहीं, बल्कि सच और इंसाफ के लिए लड़ी गई लड़ाई की मिसाल है। हरभजन ने कहा कि सत्ता के दुरुपयोग से लगे घाव पीढ़ियों तक दर्द देते हैं और खालरा का साहस हमेशा याद रखा जाएगा। उन्होंने निर्देशक हनी तेहरान और अभिनेता दिलजीत दोसांझ की भी जमकर सराहना की और उनके प्रयास को साहसिक बताया।

वहीं, फिल्म के ओटीटी से हटने को लेकर दिलजीत दोसांझ की तरफ से कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है, लेकिन उनका एक इंस्टाग्राम पोस्ट और वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। पोस्ट में उन्होंने फिल्म का एक भावुक दृश्य साझा किया, जिसे फैंस अप्रत्यक्ष प्रतिक्रिया मान रहे हैं। वायरल वीडियो में दिलजीत यह कहते नजर आते हैं कि "फिल्म हट गई है तो हट जाने दो, लोगों ने इसे डाउनलोड कर लिया है। सबसे जरूरी बात यह है कि कहानी लोगों तक पहुंचनी चाहिए।" इस बयान को लेकर भी सोशल मीडिया पर अलग–अलग प्रतिक्रियाएं देखने को मिल रही हैं। इसके कंटेंट, विवाद और कलाकारों के बयानों पर लगातार चर्चा कर रहे हैं।

भारी बारिश में भी फैंस से मिले अमिताभ बच्चन

बारिश भी नहीं रोक पाई फैंस का प्यार

भावुक होकर लिखा दिल छू लेने वाला ब्लॉग

यूनिक समय, नई दिल्ली। मुंबई में इन दिनों भारी बारिश का दौर जारी है, जिससे कई इलाकों में जलभराव की स्थिति बन गई है। इसी बीच बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन ने अपने फैंस के लिए एक भावुक संदेश साझा किया है। हर रविवार की तरह इस बार भी बड़ी संख्या में प्रशंसक उनके जुहू स्थित बंगले 'जलसा' के बाहर पहुंचे, हालांकि इस बार मौसम बेहद खराब था।

अमिताभ बच्चन ने अपने ब्लॉग में फैंस के इस समर्पण और प्यार के लिए आभार जताया। उन्होंने लिखा कि चाहे तेज धूप हो, कड़ाके की ठंड या मूसलाधार बारिश–उनके चाहने वाले हर परिस्थिति में उनसे मिलने आते हैं। बिग बी ने इसे अपने जीवन का बेहद भावुक और यादगार पल बताया और कहा कि वह सिर्फ हाथ जोड़कर, हाथ हिलाकर और ऑटोग्राफ देकर ही उनका धन्यवाद कर पाते हैं।

बारिश के बीच फैंस का यह जोश देखकर अमिताभ बच्चन काफी भावुक हो गए। उन्होंने कहा कि यह प्यार उनके लिए अनमोल है और इसे शब्दों में बयां करना मुश्किल है। साथ ही उन्होंने मुंबई में लगातार हो रही बारिश और बाढ़ जैसी स्थिति पर चिंता जताई। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे सुरक्षित रहें और अनावश्यक रूप से घर से बाहर न निकलें।

अमिताभ बच्चन ने अपने संदेश में यह भी कहा कि लगातार बारिश से न सिर्फ आम जनजीवन प्रभावित हो रहा है, बल्कि कई जगहों पर खेती और बुनियादी सुविधाओं पर भी असर पड़ा है। इसके बावजूद फैंस का उनके प्रति प्रेम कम नहीं हुआ, जो उनके लिए सबसे बड़ी प्रेरणा है।

वर्क फ्रंट की बात करें तो अमिताभ बच्चन जल्द ही फिल्म 'कल्कि 2' में नजर आएंगे। इससे पहले 'कल्कि 2898 एडी' में उनके अश्वत्थामा के किरदार को दर्शकों ने खूब सराहा था। इस फिल्म ने दुनिया भर में 1000 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई की थी।

प्रियामणि ने की थलापति विजय की खुलकर तारीफ

यूनिक समय, नई दिल्ली। अभिनेत्री प्रियामणि ने सुपरस्टार से तमिलनाडु के मुख्यमंत्री बने थलापति विजय की खुलकर तारीफ की है। उन्होंने कहा कि विजय एक "जन्मजात नेता" हैं और लोग भी मानते हैं कि वह जिस भूमिका में हैं, उसके लिए ही बने हैं। प्रियामणि अपनी फिल्म 'जन नायकन' से जुड़े एक इवेंट में शामिल हुईं, जहां उन्होंने विजय के साथ काम करने के अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने कहा कि विजय का व्यक्तित्व और उनका नेतृत्व करने का तरीका बेहद प्रेरणादायक है।

प्रियामणि ने यह भी कहा कि वह उनके काम से काफी प्रभावित हैं और उन्हें शुभकामनाएं देती हैं। एच. विनोथ के निर्देशन में बन रही 'जन नायकन' को लेकर काफी चर्चा है। यह फिल्म विजय की आखिरी फिल्म बताई जा रही है, जिसकी वजह से फैंस के बीच इसका क्रेज और बढ़ गया है। फिल्म की रिलीज पहले कई बार टल चुकी है,

वर्ल्ड कप फाइनल में बेथ मूनी की तूफानी पारी

विराट कोहली का रिकॉर्ड हुआ ध्वस्त

रिकॉर्ड बुक में दर्ज हुआ नया इतिहास

यूनिक समय, नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया महिला टीम की स्टार विकेटकीपर–बल्लेबाज बेथ मूनी ने इंग्लैंड के खिलाफ टी-20 वर्ल्ड कप 2026 फाइनल में शानदार अर्धशतक लगाकर इतिहास रच दिया। लॉर्ड्स में खेले गए इस खिताबी मुकाबले में मूनी ने 49 गेंदों पर 64 रनों की दमदार पारी खेली, जिसमें 10 चौके शामिल रहे। उनकी इस पारी की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने लक्ष्य को आसानी से हासिल कर खिताब अपने नाम कर लिया। इस अर्धशतक के साथ ही बेथ मूनी ने एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। वह टी-20 वर्ल्ड कप फाइनल में तीन बार 50+ स्कोर बनाने वाली दुनिया की पहली खिलाड़ी बन गई हैं। इस मामले में उन्होंने विराट कोहली, कुमार संगकारा और मार्लन सैमुअल्स जैसे दिग्गजों को पीछे छोड़ दिया है, जिन्होंने फाइनल में दो–दो अर्धशतक लगाए थे।

बेथ मूनी का फाइनल में प्रदर्शन हमेशा शानदार रहा है। 2020 में भारत के खिलाफ 78*, 2023 में साउथ अफ्रीका के खिलाफ 74* और अब 2026 में 64 रन की पारी ने उनकी बड़ी मैचों में काबिलियत साबित कर दी है। इस शानदार प्रदर्शन के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच और प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट दोनों अवॉर्ड मिले।

कृष्ण को सौंपी राम मंदिर ट्रस्ट की जिम्मेदारी

चंपत राय,अनिल मिश्रा के इस्तीफे मंजूर

कृष्ण मोहन बने कार्यकारी महासचिव

राम मंदिर ट्रस्ट में नेतृत्व परिवर्तन

यूनिक समय,अयोध्या। अयोध्या के श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की सोमवार को हुई अहम बैठक में कई बड़े फैसलों पर मुहर लगी। राम मंदिर में चढ़ावा चोरी मामले के बाद ट्रस्ट ने महासचिव चंपत राय और ट्रस्टी अनिल मिश्रा के इस्तीफे सर्वसम्मति से स्वीकार कर लिए। इसके साथ ही पूर्व आईएफएस अधिकारी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) से जुड़े कृष्ण मोहन को ट्रस्ट का कार्यकारी महासचिव नियुक्त किया गया। अब वह ट्रस्ट के प्रशासनिक कार्यों की कमान संभालेंगे और जल्द ही अपनी नई टीम का गठन करेंगे।

बैठक के बाद ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष स्वामी गोविंद देव गिरी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि चढ़ावा चोरी की घटना ने पूरे ट्रस्ट को गहरे स्तर पर आहत किया है। उन्होंने इसे बेहद दुखद और शर्मनाक बताते हुए कहा कि करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था से जुड़े राम मंदिर में ऐसी घटना होना किसी भी कीमत पर

स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने कहा कि वर्षों के संघर्ष और अनगिनत बलिदानों के बाद बने इस मंदिर की गरिमा बनाए रखना ट्रस्ट की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है।

स्वामी गोविंद देव गिरी ने बताया कि ट्रस्ट की अगली बैठक 22 जुलाई को होगी। तब तक कृष्ण मोहन कार्यकारी महासचिव के रूप में जिम्मेदारी संभालेंगे और प्रशासनिक व्यवस्था को और प्रभावी बनाने के लिए आवश्यक कदम उठाएंगे। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि दान में प्राप्त करीब 2800 वस्तुएं पूरी तरह सुरक्षित हैं और उनकी सुरक्षा को लेकर किसी तरह की चिंता की आवश्यकता नहीं है।

बैठक में एसआईटी की जांच रिपोर्ट पर भी विस्तार से चर्चा हुई। ट्रस्ट के सदस्यों ने जांच पर संतोष जताते हुए कहा कि जैसे ही शुरुआती जांच में अनियमितता सामने आई, तत्काल एफआईआर दर्ज कराई गई। साथ ही मंदिर की व्यवस्थाओं को और पारदर्शी बनाने के लिए नई प्रशासनिक व्यवस्था लागू करने पर भी सहमति बनी। ट्रस्ट में सीईओ नियुक्त करने के प्रस्ताव पर भी सकारात्मक चर्चा हुई।

बैठक में महंत नृत्य गोपाल दास, स्वामी विश्वप्रसन्न तीर्थ, स्वामी गोविंद देव गिरी, कृष्ण मोहन सहित अन्य ट्रस्टी मौजूद रहे, जबकि उत्तर प्रदेश के प्रमुख सचिव (गृह) संजय प्रसाद वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए शामिल हुए। ट्रस्ट का मानना है कि नए प्रशासनिक ढांचे से मंदिर के संचालन में और अधिक पारदर्शिता तथा जवाबदेही सुनिश्चित होगी।

बैठक से पहले ट्रस्ट अध्यक्ष महंत नृत्य गोपाल दास ने भी चढ़ावा चोरी की घटना पर कड़ा रुख अपनाया था। उन्होंने कहा कि इस मामले में शामिल किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाना चाहिए। उन्होंने भरोसा जताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करेंगे। महंत ने यह भी कहा कि यह केवल चोरी का मामला नहीं, भरोसा और मजबूत करने पर है।

ताजमहल के इतिहास पर फिर छिड़ी कानूनी बहस नई

तेजो महालय दावे पर केंद्र से जवाब तलब

सर्वे के लिए आयोग नियुक्ति पर सुनवाई

यूनिक समय, प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने ताजमहल को लेकर लंबे समय से चल रहे 'तेजो महालय' विवाद पर केंद्र सरकार और भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण से जवाब मांगा है। अदालत ने उस याचिका पर सुनवाई की, जिसमें ताजमहल परिसर का सर्वे कराने के लिए एडवोकेट कमिश्नर नियुक्त करने की मांग की गई है। न्यायालय ने संबंधित पक्षों को अपना जवाब दाखिल करने के निर्देश दिए हैं। याचिका में दावा किया गया है कि ताजमहल मूल रूप से भगवान शिव का 'तेजो महालय' मंदिर था, जिसे बाद में मुगल काल में मकबरे का स्वरूप दिया गया। याचिकाकर्ताओं का कहना है कि परिसर की वास्तुकला और संरचनात्मक विशेषताओं का वैज्ञानिक निरीक्षण कर वास्तविक स्थिति स्पष्ट की जानी चाहिए। यह मामला वर्ष 2015 में आगरा की सिविल अदालत में दायर मुकदमे से जुड़ा है। इसके बाद 2017 में परिसर के निरीक्षण, फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी के लिए एडवोकेट कमिश्नर नियुक्त करने का आवेदन दिया गया था, जिसे निचली अदालत ने 2019 में खारिज कर दिया था। अब हाईकोर्ट में दायर याचिका में कहा गया है कि संरक्षित स्मारक होने के कारण याचिकाकर्ता परिसर के कुछ हिस्सों तक स्वतंत्र रूप से नहीं पहुंच सकते। इसलिए निष्पक्ष सर्वे कराकर रिपोर्ट अदालत के समक्ष प्रस्तुत कराई जानी चाहिए। मामले की अगली सुनवाई में केंद्र सरकार और एएसआई के जवाब के बाद आगे की कानूनी प्रक्रिया तय होगी।

दोस्त को बचाने के लिए नदी में कूदा युवक लापता

दोस्त की जान बचाई लेकिन नहर में हुआ लापता

यूनिक समय,अलीगढ़। अलीगढ़ के शिवाला नहर क्षेत्र में इंसानियत और दोस्ती की मिसाल पेश करने वाली एक दर्दनाक घटना सामने आई है। राजस्थान के डीग जिले से कुछ युवक अपने ननिहाल जा रहे थे, लेकिन रास्ते में नहर देखकर सभी नहाने के लिए रुक गए। इसी दौरान राकेश नाम का युवक तेज बहाव में डूबने लगा। अपने दोस्त को संकट में देख दीपेश बिना कुछ सोचे–समझे उसे बचाने के लिए नहर में कूद पड़ा।

राकेश की चीख–पुकार सुनकर आसपास खेतों में काम कर रहे लोगों ने उसे सुरक्षित बाहर निकाल लिया, लेकिन दीपेश खुद गहरे पानी में लापता हो गया। घटना के बाद मौके पर अफरा–तफरी मच गई और तुरंत पुलिस को सूचना दी गई।

सूचना मिलते ही खैर थाना पुलिस, फायर ब्रिगेड, स्थानीय गोताखोरों और बाद में एनडीआरएफ की टीम ने नहर में सर्च ऑपरेशन शुरू किया। कई घंटों तक तलाश अभियान चलाया गया, लेकिन देर शाम तक दीपेश का कोई सुराग नहीं मिल सका। राकेश के मामा इंद्रजीत ने बताया कि सभी युवक ननिहाल जा रहे थे, लेकिन रास्ते में नहर पर रुकना भारी पड़ गया। उधर, दीपेश के परिजन भी घटनास्थल पर पहुंच गए। बेटे के लापता होने से परिवार का रो–रोकर बुरा हाल है और सभी उसकी सकुशल वापसी की दुआ कर रहे हैं।

पुलिस का कहना है कि गोताखोर और बचाव दल लगातार नहर में तलाश कर रहे हैं। प्रशासन ने परिजनों को हरसंभव मदद का भरोसा दिलाया है और सर्च ऑपरेशन जारी है।

अलीगढ़ में पति ने पत्नी की हत्या कर मचाई सनसनी

यूनिक समय,अलीगढ़। अलीगढ़ के थाना जवां क्षेत्र के ग्राम रफीपुर सिया में सोमवार सुबह दिल दहला देने वाली घटना सामने आई। यहां एक पति ने अपनी पत्नी की बेरहमी से हत्या कर दी और मौके से फरार हो गया। घटना से पूरे गांव में दहशत फैल गई है। सूचना मिलते ही सुबह करीब 7 बजे पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। फील्ड यूनिट और फॉरेंसिक टीम ने भी मौके से अहम साक्ष्य जुटाए हैं।

इसके बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस के अनुसार, आरोपी पति दिनेश की गिरफ्तारी के लिए कई टीमें संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही हैं। अधिकारियों ने बताया कि तहरीर मिलते ही मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

फिलहाल इलाके में तनाव का माहौल है और पुलिस सतर्कता बढ़ाए हुए है।

जलालाबाद का नाम बदलकर परशुरामपुरी किया

भगवान परशुराम की जन्मस्थली से जुड़ा बड़ा निर्णय

यूनिक समय,लखनऊ। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने एक महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए शाहजहांपुर जिले के जलालाबाद का नाम बदल दिया है। अब जलालाबाद को आधिकारिक रूप से 'परशुरामपुरी' के नाम से जाना जाएगा।

यह फैसला राज्य कैबिनेट की मंजूरी के बाद लिया गया है। बताया जा रहा है कि भगवान परशुराम की जन्मस्थली के रूप में इस क्षेत्र की ऐतिहासिक और धार्मिक पहचान को देखते हुए लंबे समय से स्थानीय स्तर पर नाम परिवर्तन की मांग की जा रही थी। सरकारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, जलालाबाद नगर पालिका परिषद क्षेत्र को पौराणिक कथाओं और धार्मिक मान्यताओं में भगवान परशुराम से जुड़ा माना जाता है। इसी आधार पर जनप्रतिनिधियों और स्थानीय निवासियों ने लगातार यह मांग उठाई थी कि इस स्थान का नाम भगवान परशुराम के नाम पर रखा जाए। सरकार ने इन मांगों को ध्यान में रखते हुए प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है।

आदेश में कहा गया है कि नगर पालिका परिषद जलालाबाद क्षेत्र अंतर्गत कस्बे का नाम अब बदलकर परशुरामपुरी किया जाता है।

इस निर्णय के बाद अब सभी सरकारी रिकॉर्ड, नक्शों और दस्तावेजों में जलालाबाद की जगह परशुरामपुरी नाम दर्ज किया जाएगा। प्रशासन को इस बदलाव को लागू करने के निर्देश भी जारी कर दिए गए हैं।

सरकार का कहना है कि यह कदम क्षेत्र की सांस्कृतिक और धार्मिक पहचान को और मजबूत करेगा। स्थानीय लोगों में भी इस फैसले को लेकर उत्साह देखा जा रहा है, क्योंकि लंबे समय से वे इस बदलाव की मांग कर रहे थे।

गौरतलब है कि इससे पहले भी योगी सरकार ने राज्य के कई स्थानों के नाम बदले हैं। इनमें इलाहाबाद का नाम प्रयागराज, फैजाबाद का अयोध्या, मुगलसराय रेलवे स्टेशन का नाम पंडित दीन दयाल उपाध्याय नगर और झांसी रेलवे स्टेशन का नाम वीरांगना लक्ष्मीबाई स्टेशन शामिल हैं। इसके अलावा गोरखपुर, हरदोई और फिरोजाबाद जिलों में भी कई स्थानों के नामों में बदलाव किया गया है।

इस ताजा फैसले के बाद अब जलालाबाद की नई पहचान परशुरामपुरी के रूप में स्थापित हो गई है।

आगरा हत्याकांड के बाद शराब से दूरी बना रहे पुरुष

पत्नी के खौफ ने छुड़वाई कॉलोनी वालों की शराब

कॉलोनी में पसरा डर बदली लोगों की सोच

घटना के बाद थमी शाम की महफिलें

यूनिक समय, आगरा। आगरा के चर्चित बाथरूम हत्याकांड का असर अब केवल पुलिस जांच तक सीमित नहीं रहा, बल्कि स्थानीय लोगों की जीवनशैली पर भी दिखाई देने लगा है। सिकंदरा क्षेत्र की रेणुका धाम कॉलोनी में रहने वाले कई पुरुषों का कहना है कि इस घटना के बाद उन्होंने शराब पीना छोड़ने का फैसला किया है। उनका मानना है कि शराब पारिवारिक विवादों की बड़ी वजह बनती है और इससे बचना ही बेहतर है।

कुछ दिन पहले सामने आए इस मामले में एक महिला पर आरोप है कि उसने पति की हत्या कर शव को घर के बाथरूम में दफना दिया। पुलिस के अनुसार, घटना के बाद वह कई दिनों तक पति के लापता होने का दावा करती रही। मामले का खुलासा होने के बाद पूरे इलाके में सनसनी फैल गई।

स्थानीय निवासियों का कहना है कि इस घटना ने उन्हें गहराई से सोचने पर मजबूर किया है। कई लोगों ने स्वीकार किया कि अब वे शराब से दूरी बनाए रख रहे हैं। उनका मानना है कि नशा पारिवारिक तनाव और झगड़ों को बढ़ावा देता है, इसलिए इससे बचना ही समझदारी है। कॉलोनी के कुछ लोगों का कहना है कि पहले शाम के समय अक्सर लोगों की बैठकी और शराब की महफिलें लगती थीं, लेकिन अब ऐसा माहौल काफी बदल गया है।

हालांकि पुलिस ने किसी भी तरह के सामाजिक प्रभाव पर आधिकारिक टिप्पणी नहीं की है, लेकिन स्थानीय लोगों के बीच इस घटना की चर्चा लगातार बनी हुई है। कई परिवार इसे घरेलू कलह और नशे की लत के दुष्परिणाम के रूप में देख रहे हैं।

विशेषज्ञ भी मानते हैं कि शराब का अत्यधिक सेवन पारिवारिक रिश्तों में तनाव, हिंसा और मानसिक परेशानियों का कारण बन सकता है। ऐसे मामलों से सबक लेते हुए परिवारों में संवाद, संयम और नशामुक्त जीवनशैली को बढ़ावा देना समय की आवश्यकता है। आगरा की यह घटना एक बार फिर इस बात की याद दिलाती है कि घरेलू विवादों का समाधान हिंसा नहीं, बल्कि बातचीत और कानूनी रास्तों से ही संभव है।

चढ़ावा चोरी विवाद पर क्या बोले नृत्यगोपाल दास

आरोपियों पर सख्त कार्रवाई की मांग

यूनिक समय,अयोध्या। अयोध्या स्थित राम मंदिर में चढ़ावा चोरी का मामला लगातार सुर्खियों में बना हुआ है। इसी बीच आज राम मंदिर ट्रस्ट की अहम बैठक होने जा रही है, लेकिन उससे पहले ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत नृत्यगोपाल दास का बड़ा बयान सामने आया है।

महंत नृत्यगोपाल दास ने कहा कि श्रीराम लला सरकार के मंदिर में हुई दान चोरी की घटना से वह बेहद आहत हैं। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि जिसने भी यह कृत्य किया है, उसे कानून के तहत कड़ी से कड़ी सजा मिलनी चाहिए। उन्होंने इस मामले में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर भरोसा जताते हुए कहा कि सरकार इस पाप से जुड़े हर व्यक्ति को सजा जरूर दिलाएगी।

उन्होंने आगे कहा कि यह मामला केवल चोरी का नहीं, बल्कि करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था से जुड़ा हुआ गंभीर विषय है। ऐसे में इसमें किसी भी तरह की राजनीति या व्यक्तिगत लाभ के लिए हस्तक्षेप नहीं होना चाहिए।

इधर, राम मंदिर ट्रस्ट की आज होने वाली बैठक को लेकर भी काफी हलचल है। इस बैठक में चंपत राय और ट्रस्टी अनिल मिश्रा के इस्तीफे पर चर्चा होने की संभावना जताई जा रही है। हालांकि अभी तक उनके इस्तीफे स्वीकार नहीं किए गए हैं और अंतिम फैसला बैठक में लिया जाएगा।

इसके अलावा ट्रस्ट के प्रशासनिक ढांचे को मजबूत करने के लिए एक सीईओ की नियुक्ति पर भी विचार किया जा सकता है।

मूसलाधार बारिश से देशभर में मचा हा-हाकार

मानसून की मार सड़कें डूबीं और पहाड़ भी दरकें

बाढ़ और भूस्खलन ने बढ़ाई लोगों की परेशानी

यूनिक समय, नई दिल्ली। देश के कई राज्यों में लगातार हो रही भारी बारिश ने जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित कर दिया है। महाराष्ट्र, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, ओडिशा और अन्य राज्यों में बाढ़, जलभराव तथा भूस्खलन की घटनाओं से सामान्य जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। कई स्थानों पर सड़कें बंद हो गई हैं, रेल सेवाएं प्रभावित हुई हैं और राहत एवं बचाव दल लगातार लोगों की मदद में जुटे हैं।

हिमाचल प्रदेश के ऊना जिले में स्वां नदी में अचानक जलस्तर बढ़ने से एक पिकअप वाहन तेज बहाव में फंस गया। स्थानीय लोगों ने साहस दिखाते हुए वाहन में सवार तीन लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। वहीं कुल्लू के लारजी-सैंज मार्ग पर पागल नाला उफान पर आने से भारी मलबा सड़क पर फैल गया, जिससे यातायात कई घंटों तक बाधित रहा। जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ में भारी बारिश के कारण जलविद्युत परियोजना के पास भूस्खलन हुआ, जिसमें कई वाहन मलबे में दब गए। चंबा जिले के पंगोला नाले में अचानक आई बाढ़ से मुख्य सड़क बंद हो गई। प्रशासन ने मलबा हटाने और मार्ग बहाल करने का कार्य शुरू कर दिया है।

ओडिशा के बौध जिले में सलुंकी नदी में जलस्तर बढ़ने से दो महिलाएं बीच धारा में फंस गई थीं। कई घंटे चले रेस्क्यू अभियान के बाद उन्हें सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। महाराष्ट्र में लगातार बारिश के कारण वसई रोड और विरार के बीच रेलवे ट्रैक पर पानी भर गया, जिससे ट्रेन सेवाएं प्रभावित हुईं। वहीं मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे के मिसिंग लिंक पर भूस्खलन के बाद यातायात को वैकल्पिक मार्गों पर मोड़ा गया। पुणे के पाटन गांव में भूस्खलन के बाद राहत और बचाव अभियान जारी है। गढ़चिरौली जिले में नालों के उफान पर आने से कई गांवों का संपर्क टूट गया है। कर्जत और खोपोली के बीच रेलवे ट्रैक के नीचे की गिट्टी बह जाने से रेल सेवाएं अस्थायी रूप से रोकनी पड़ीं। मौसम विभाग ने कई क्षेत्रों में अगले कुछ दिनों तक भारी बारिश की संभावना जताई है। प्रशासन ने लोगों से नदी-नालों के किनारे न जाने, अनावश्यक यात्रा से बचने और स्थानीय प्रशासन की सलाह का पालन करने की अपील की है। राहत एजेंसियां संवेदनशील इलाकों में लगातार निगरानी बनाए हुए हैं।

कुल्लू में पैराग्लाइडिंग के दौरान बिगड़ा संतुलन, हाईवे पर गिरा पायलट

यूनिक समय, नई दिल्ली। हिमाचल प्रदेश के कुल्लू जिले के बबेली क्षेत्र में पैराग्लाइडिंग के दौरान एक हादसा हो गया। लैंडिंग के समय संतुलन बिगड़ने से एक पैराग्लाइडिंग पायलट सीधे हाईवे पर जा गिरा। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें पायलट को हवा से नीचे गिरते हुए देखा जा सकता है।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, पायलट लैंडिंग के दौरान दिशा और गति पर नियंत्रण नहीं रख सका, जिससे वह सड़क पर आ गिरा। राहत की बात यह रही कि उस समय हाईवे पर कोई तेज रफ्तार वाहन उसकी चपेट में नहीं आया, जिससे बड़ा हादसा टल गया। आसपास

लैंडिंग के दौरान हुआ हादसा बाल-बाल बची जान

मौजूद लोगों ने तुरंत उसकी मदद की और सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, पायलट को मामूली चोटें आई हैं और उसकी हालत खतरे से बाहर है। घटना के बाद कुछ देर के लिए हाईवे पर अफरा-तफरी का माहौल रहा। इस हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने साहसिक खेलों में सुरक्षा मानकों का सख्ती से पालन कराने की मांग उठाई है। उनका कहना है कि पैराग्लाइडिंग जैसी गतिविधियों में प्रशिक्षित संचालन और सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत किया जाना चाहिए, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं से बचा जा सके।

मेलोनी पर मीम साझा कर फिर विवादों में घिरे ट्रंप

यूनिक समय, नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इटली की प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी को लेकर सोशल मीडिया मंच 'ट्रुथ सोशल' पर एक मीम साझा कर नया विवाद खड़ा कर दिया है। तस्वीर में मेलोनी उनकी ओर मुस्कुराकर देखती नजर आ रही हैं और उस पर "रेस्ट्रेनिंग ऑर्डर नीडेड" (निरोधक आदेश की जरूरत) लिखा है। यह पोस्ट ऐसे समय सामने आई है, जब दोनों नेताओं की नाटो शिखर सम्मेलन में मुलाकात प्रस्तावित है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि इस तरह की सार्वजनिक टिप्पणियां कूटनीतिक माहौल को प्रभावित कर सकती हैं। दोनों नेताओं के बीच

पिछले जी-7 शिखर सम्मेलन के बाद भी बयानबाजी हुई थी। ट्रंप ने मेलोनी पर कई दावे किए थे, जिन्हें इटली की प्रधानमंत्री ने सिरे से खारिज कर दिया था। उन्होंने कहा था कि उनकी प्राथमिकता केवल इटली के हितों की रक्षा करना है। ट्रंप की इस नई पोस्ट के बाद दोनों नेताओं के रिश्तों को लेकर एक बार फिर राजनीतिक चर्चाएं तेज हो गई हैं।

शेर ने मवेशी चराने वाले को किया घायल

यूनिक समय, नई दिल्ली। गुजरात के भावनगर जिले के पालिताना क्षेत्र से एक हैरान कर देने वाली घटना सामने आई है। गरजिया गांव के पास मवेशी चरा रहे एक व्यक्ति पर शेर ने हमला कर दिया। हमले के दौरान शेर ने व्यक्ति को घायल कर उसकी टांग पकड़ ली। मौके पर मौजूद लोगों के शोर-शराबे के बीच किसी तरह स्थिति संभाली गई। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

घायल की पहचान कालूभाई बोघाभाई परमार के रूप में हुई है। उन्हें गंभीर हालत में पालिताना के मानसिंहजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका उपचार जारी है।

घटना के बाद गांव में दहशत का माहौल है। ग्रामीणों ने वन विभाग से मांग की है कि आबादी वाले क्षेत्रों में घूम रहे शेरों को सुरक्षित तरीके से जंगल की ओर भेजा जाए, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाएं न हों।

वन्यजीव विशेषज्ञों का कहना है कि शेर सामान्यतः इंसानों से दूरी बनाए रखते हैं, लेकिन भोजन की तलाश, अपने क्षेत्र की रक्षा या अचानक आमना-सामना होने पर हमला कर सकते हैं। ऐसे क्षेत्रों में लोगों को सतर्क रहने और वन विभाग की सलाह का पालन करने की अपील की गई है।

मवेशी चराते समय शेर ने किया अचानक हमला

घटना के बाद गांव में बढ़ी दहशत काफी

तेहरान में खामेनेई की अंतिम यात्रा, लाखों लोगों की उमड़ी भीड़

यूनिक समय, नई दिल्ली। ईरान के पूर्व सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई की अंतिम यात्रा सोमवार को राजधानी तेहरान में निकाली गई। करीब 10 किलोमीटर लंबे मार्ग पर लाखों लोग अंतिम दर्शन के लिए पहुंचे। भारी भीड़ के कारण कई स्थानों पर पार्थिव शरीर ले जा रहा वाहन धीमी गति से आगे बढ़ा और कुछ समय के लिए रोकना भी पड़ा।

ईरानी प्रशासन के अनुसार, अंतिम यात्रा कई घंटों तक चलेगी। यात्रा के अंतिम चरण में पार्थिव शरीर को हेलिकॉप्टर के माध्यम से मार्ग के ऊपर ले जाने की भी व्यवस्था की गई है,

ताकि दूर खड़े लोग भी अंतिम दर्शन कर सकें।

अंतिम यात्रा के बाद धार्मिक परंपराओं के अनुसार पार्थिव शरीर को कोम ले जाया जाएगा। इसके बाद उनके गृह नगर मशहद में सुपुर्द-ए-खाक किया जाएगा।

इस दौरान बड़ी संख्या में समर्थक सड़कों पर मौजूद रहे। भीषण गर्मी को देखते हुए लोगों के लिए पेयजल की व्यवस्था की गई और राहत के लिए पानी का छिड़काव भी किया गया। वहीं अंतिम यात्रा के बीच ईरान, अमेरिका और इजराइल से जुड़े राजनीतिक बयान भी चर्चा का विषय बने रहे।

पश्चिम बंगाल की तीन राज्यसभा सीटों पर 24 जुलाई मतदान

यूनिक समय, नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल की राज्यसभा की तीन रिक्त सीटों पर उपचुनाव की घोषणा कर दी है। मतदान 24 जुलाई को होगा और उसी दिन मतगणना भी होगी। नामांकन की अंतिम तिथि 14 जुलाई, जांच 15 जुलाई और नाम वापसी 17 जुलाई तक होगी। ये सीटें सांसद सुखेंदु शेखर राय, सुष्मिता देव और प्रकाश चिक बराइक के इस्तीफे के बाद खाली हुई थीं। चुनाव आयोग ने निष्पक्ष और पारदर्शी मतदान के लिए विशेष दिशा-निर्देश भी जारी किए हैं।

एआई की निगरानी से अब सुरक्षित होगा एक्सप्रेसवे का सफर

गलत दिशा में वाहन चलते ही बजेगा कंट्रोल अलर्ट

हर गतिविधि पर रखेगी स्मार्ट तकनीक कड़ी नजर

यूनिक समय, आगरा। आगरा–लखनऊ एक्सप्रेस-वे पर यात्रियों की सुरक्षा को नई तकनीक का मजबूत सहारा मिलने जा रहा है। एक्सप्रेस-वे पर अत्याधुनिक एडवांस्ड ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम (एटीएमएस) कंट्रोल रूम तैयार हो गया है। इसके शुरू होते ही पहले 100 किलोमीटर तक वाहनों की गतिविधियों पर कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) आधारित रियल टाइम निगरानी रखी जाएगी। इससे गलत दिशा में ड्राइविंग, ओवरस्पीड, दुर्घटना और ब्रेकडाउन जैसी घटनाओं की जानकारी तुरंत कंट्रोल रूम तक पहुंचेगी और राहत दल तत्काल मौके पर रवाना किया जा सकेगा। कंट्रोल रूम में नौ मीटर लंबी और दो मीटर चौड़ी अत्याधुनिक एलईडी वीडियो वॉल लगाई गई है, जहां एक्सप्रेस-वे की हर गतिविधि पर लगातार नजर रखी जाएगी। मौसम, जाम, दुर्घटना, डायवर्जन और अन्य आवश्यक सूचनाएं वैरिएबल मैसेज साइन (सीएमएस) के माध्यम से वाहन चालकों तक तुरंत पहुंचाई जाएंगी।

सबसे महत्वपूर्ण व्यवस्था व्हीकल इंसिडेंट डिटेक्शन सिस्टम है, जो गलत दिशा से आने वाले वाहन की पहचान कर तत्काल कंट्रोल रूम को अलर्ट भेज देगा। इससे समय रहते संबंधित वाहन को रोकने और संभावित दुर्घटनाओं को टालने में मदद मिलेगी।

सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने के लिए प्रत्येक एक किलोमीटर पर हाई–रिजॉल्यूशन नाइट विजन सीसीटीवी कैमरे लगाए जा रहे हैं। पहले ये कैमरे पांच किलोमीटर की दूरी पर लगाए जाते थे। कैमरे लगाने का अधिकांश कार्य पूरा हो चुका है, अब केवल नेटवर्क कनेक्टिविटी का काम बाकी है। इसके अलावा हर दो किलोमीटर पर इमरजेंसी कॉल बॉक्स स्थापित किए गए हैं। किसी भी आपात स्थिति में यात्री सीधे कंट्रोल रूम से संपर्क कर तुरंत सहायता प्राप्त कर सकेंगे। यूपीडा के अधिकारियों का कहना है कि एटीएमएस, एआई कैमरों और आधुनिक निगरानी प्रणाली के पूरी तरह सक्रिय होने के बाद एक्सप्रेस-वे पर दुर्घटनाओं में कमी आएगी, आपातकालीन सहायता तेजी से उपलब्ध होगी और आगरा–लखनऊ एक्सप्रेस-वे पर सफर पहले से कहीं अधिक सुरक्षित, सुगम और भरोसेमंद बनेगा।

करंट लगने से युवक की हुई मौत

हाईटेंशन लाइन से टकराया सोलर पैनल का पोल

साइड पर नहीं थे सुरक्षा इंतजाम, परिवार में मचा कोहराम

यूनिक समय, मथुरा। थाना जमुनापार क्षेत्र स्थित धोबी घाट, रसखान नगरी के नीचे गोड़िया मठ रोड पर सोलर पैनल लगाने के दौरान पोल के ऊपर जाती हाईटेंशन लाइन के तार से संपर्क होने पर करंट लगने से युवक की मौत हो गई।

रसखान नगरी में गोढ़िया मठ रोड पर सोलर पैनल लगाए जाने का काम चल रहा था। वहां से ऊपर होकर 11 हजार केवीए की विद्युत लाइन के तार जा रहे थे। बताया गया कि गांव इटोली निवासी सचिन सोलर पैनल लगाने का काम कर रहा था। सचिन ने पैनल का पोल खड़ा करने के लिए ऊठाया, तभी पोल ऊपर से जा रही हाईटेंशन लाइन के तार के संपर्क में आ गया। हाईटेंशन लाइन का तेज करंट सचिन को लगा, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना से वहां काम कर रहे अन्य लोगों में हड़कंप मच गया। घटना का पता लगने पर बड़ी संख्या में स्थानीय लोग वहां एकत्रित हो गए। सचिन के परिवार के लोगों को भी इस दुखद घटना का पता लगा तो वहां कोहराम मच गया। परिवार के लोगों का आरोप है कि अगर कार्यस्थल पर सुरक्षा के इंतजाम होते तो सचिन की जान बच सकती थी।

घटना की सूचना पर जमुनापार वार्ड नंबर 19 के पार्षद श्री प्रिंस धनगर भी मौके पर पहुंचे। उन्होंने शोकाकुल परिजनों से मुलाकात कर उन्हें ढांढस बंधाया और हरसंभव मदद तथा प्रशासन से उचित कार्रवाई कराने का आश्वासन दिया।

ऑटो चालक को सांप ने काटा

छत पर सोते समय पैर में डसा, हॉस्पिटल में कराया भर्ती

यूनिक समय, मथुरा। थाना यमुनापार की अयोध्या नगर कालोनी में एक ऑटो चालक को रात में सांप ने काट लिया। शोर करने पर परिवार और आस–पास के लोग वहां पहुंच गए। चालक को तुरंत हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया, जहां उसकी हालत में सुधार है। बताया गया कि अयोध्या नगर कॉलोनी में रहने वाला युवक बंटी रविवार की रात बिजली न होने के कारण घर की छत पर सो रहा था। रात को करीब साढ़े दस बजे छत पर सो रहे बंटी को सांप ने पैर में काट लिया। सांप के काटने पर बंटी की नींद खुली और उसे वहां सांप दिखाई दिया। बंटी ने शोर किया कि उसे सांप ने काट लिया है। शोर सुनकर परिवार के लोगों के अलावा आस– पड़ोस के लोग भी वहां पहुंच गए। बंटी को तुरंत इलाज के लिए हॉस्पिटल ले जयाया गया। हॉस्पिटल में इलाज के दौरान उसकी हालत में सुधार है। बताया जा रहा है कि घर के पीछे खाली पड़े प्लाट में घांसफूंस और पौधे खड़े होने के कारण वहां सांप-बिच्छू निकलते रहते हैं।

खाद्य विभाग ने गोविंद नगर में की कार्रवाई

900 किलो से अधिक टोमेटो सॉस नष्ट

सात नमूने भी भरे गए

यूनिक समय, मथुरा। लोगों को सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने के लिए खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग ने दो खाद्य निर्माण इकाइयों पर छापेमारी की। कार्रवाई के दौरान सात खाद्य नमूने जांच के लिए गए,वहीं बड़ी मात्रा में सॉस जब्त किया गया और दूषित खाद्य सामग्री को मौके पर ही नष्ट कराया गया।

मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी केके त्रिपाठी के नेतृत्व में खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने गोविंद नगर स्थित मानसी गंगा फूड्स का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान वहां टोमेटो सॉस, सोया सॉस और मेयोनीज बनाए जा रहे थे। कार्रवाई के दौरान टोमेटो सॉस, सोया सॉस, मेयोनीज और फूड कलर के एक–एक नमूने जांच के लिए लिए गए। साथ ही 200 किलोग्राम टोमेटो सॉस और 80 किलोग्राम सोया सॉस जब्त किया गया। अस्वच्छ और दूषित परिस्थितियों में रखे गए करीब 400 किलोग्राम टोमेटो सॉस को मौके पर नष्ट कराया गया। टीम ने गौर केंद्र स्थित विवेक फूड प्रोडक्ट का निरीक्षण किया। यहां से भी टोमेटो सॉस और सोया सॉस के एक–एक नमूने लिए गए। साथ ही 108 किलोग्राम टोमेटो कैचअप और 154 लीटर सोया सॉस जब्त किया गया। फैक्ट्री में अस्वच्छ परिस्थितियों में रखा लगभग 500 किलोग्राम टोमेटो सॉस भी नष्ट कराया गया। खाद्य सुरक्षा टीम में रामनरेश, जितेंद्र सिंह, धर्मेंद्र सिंह और नेहा शामिल रहे। अभियान के दौरान कुल सात खाद्य नमूने एकत्र कर राजकीय खाद्य प्रयोगशाला भेजे गए हैं।

गोवर्धन के हॉस्पिटल में डिलीवरी के दौरान महिला की मौत

महिला की मौत पर परिवार के लोगों ने किया हंगामा

यूनिक समय, मथुरा। गोवर्धन के एक हॉस्पिटल में डिलीवरी के लिए भर्ती कराई गई महिला की ऑपरेशन के बाद मौत हो गई। बच्चे की हालत भी अभी चिंताजनक बताई गई है। परिवार के लोगों ने चिकित्सकों द्वारा ऑपरेशन में बरती गई लापरवाही का आरोप लगाया है। पुलिस ने महिला के शव को पोस्टमार्टम कराया है।

थाना बरसाना के गांव सहार निवासी जितेंद्र की पत्नी कोमल को प्रसव पीड़ा होने पर परिवार के लोगों ने गोवर्धन के जतीपुरा मार्ग स्थित एक नर्सिंग होम में भर्ती कराया था। बताया गया कि डिलीवरी के लिए कोमल का चिकित्सकों ने ऑपरेशन बताया था। परिवार के लोगों ने ऑपरेशन के लिए दस हजार रुपये अस्पताल में जमा करा दिए। बताया गया की ऑपरेशन के बाद बच्चा पैदा होने के बाद महिला की मौत हो गई। महिला की हुई मौत से परिवार के लोगों का गुस्सा फूट पड़ा। परिवार के लोगों ने ऑपरेशन में चिकित्सकों द्वारा की गई लापरवाही का इलजाम लकाते हुए हंगामा किया। हगांमे की खबर पर मौके पर पहुंची पुलिस ने समझा बुझा कर मामाला शांत कराया। इसके बाद मौत का सही कारण जानने के लिए महिला के शव का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

रास्ते में स्कूटी खड़ी करने पर दो पक्षों में हुआ था झगड़ा

एक पक्ष की फायरिंग में राहगीर को लगी थी गोली

घायल के पिता ने गोली मारने वाले के खिलाफ कराई रिपोर्ट

यूनिक समय, चौमुहां, मथुरा। थाना जैत के गांव जौनाई में रास्ते में स्कूटी खड़ी करने के लेकर पंडित और ठाकुर पक्ष के लोगों के बीच हुए विवाद एक पक्ष द्वारा चलाई गई गोली से रहागीर युवक घायल हो गया था। घायल के पिता ने इस मामले में थाना जैत में गोली मारने वाले के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस अभियुक्त की गिरफ्तारी के लिए दबिश दे रही है। हलांकि झगड़ा करने वाले दोनों पक्षों में से किसी ने इस मामले में रिपोर्ट नहीं कराई है।

गौरतलब है कि गांव जौनई में कल रास्ते में स्कूटी खड़ी करने को लेकर पंडित और ठाकुर पक्ष के लोगों के बीच विवाद हो गया। पवन और रोहित के बीच हुए विवाद में दोनों पक्षों के लोग एक दूसरे से भिड़ गए थे। पवन द्वारा की गई फायरिंग में वहां से गुजरते राहगीर युवक युवक योगेद्र उर्फ वृंदावन के सीने के ऊपर गर्दन के पास गोली लगी थी। गोली लगते ही युवक गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़ा, जिससे मौके पर अफरा–तफरी मच गई। जैत पुलिस ने घायल को सिमस हॉस्पिटल में भर्ती कराया था। इस मामले में घायल योगेद्र उर्फ वृंदावन के पिता ने गोली मारने वाले पवन के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज करने के बाद अभियुक्त की गिरफ्तारी के लिए कई संभावित स्थानों पर दबिश दी,लेकिन वह पुलिस के हत्थे नहीं चढ़ सका।

फेडरेशन की बैठक में उठी ब्राह्मण वेलफेयर बोर्ड बनाने की मांग

राष्ट्रीय कार्यकारिणी परिषद की बैठक में मौजूद फेडरेशन के पदाधिकारी।

समाज को अपनी ताकत, एकता को फिर से मजबूत करने की आवश्यकता

यूनिक समय, जयपुर। ऑल इंडिया ब्राह्मण फेडरेशन की राष्ट्रीय कार्यकारिणी परिषद की दो दिवसीय बैठक टोंक रोड रामबाग स्थित नारायण सिंह सर्किल बस स्टैंड के पास तोतूका भवन में हुई। परिषद के अध्यक्ष एसडी शर्मा, महासचिव रवि ध्रुव और राष्ट्रीय महिला अध्यक्ष सूर्यकांता शर्मा ने भगवान परशुराम को पुष्पांजलि अर्पित कर और दीप प्रज्वलित कर बैठक की शुरुआत की।

राजस्थान ब्राह्मण महासभा के अध्यक्ष आरएस जेमिनी ने स्वागत भाषण देते हुए कहा कि बैठक में ब्राह्मण समाज की वर्तमान स्थिति पर गंभीर चिंतन–मंथन हुआ। ऑल इंडिया ब्राह्मण फेडरेशन के अध्यक्ष एसडी शर्मा ने कहा कि मौजूदा परिस्थितियों में ब्राह्मण समाज को अपनी पुरानी ताकत, एकता और संगठनात्मक शक्ति को फिर से मजबूत करने की आवश्यकता है। केंद्र सरकार द्वारा यूजीसी के नियमों में किए गए बदलावों से आरक्षण व्यवस्था को लेकर कई भ्रांतियां पैदा हुई हैं। एसडी शर्मा ने बिहार में भरत तिवारी की हत्या का उल्लेख करते हुए कहा कि पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने के लिए समाज को आगे आना होगा। उन्होंने कहा कि समाज के युवाओं के सामने शिक्षा और बेरोजगारी जैसी गंभीर चुनौतियां हैं। बालिकाओं के उत्थान के लिए विशेष योजना शुरू करने की आवश्यकता है।

बैठक में देशभर से आए प्रतिनिधियों ने एक स्वर में राष्ट्रीय स्तर पर, हर राज्य में ब्राह्मण वेलफेयर बोर्ड बनाने की मांग उठाई गई और प्रस्ताव भी पास किया। संगठन के महासचिव रवि ध्रुव ने बताया कि दो दिवसीय राष्ट्रीय महा अधिवेशन में 23 राज्यों के 130 प्रतिनिधियों द्वारा समारोह में भाग लिया। बैठक में मुख्य सलाहकार पंकज मिश्रा एडवोकेट, केसी दवे, पी लक्ष्मी नारायण, रवि महापात्र, गोपीनाथ मिश्रा, भरत भाई रावल, सुरेश त्रिवेदी, प्रदीप मेनन, जितेंद्र भारद्वाज, उपाध्यक्ष मोहन प्रकाश उपाध्याय, रमेश चंद्र ओझा, अश्विनी तिवारी, पदम प्रकाश, हनुमान सहाय शर्मा, केदार शर्मा, धर्मेंद्र शर्मा और कोषाध्यक्ष टीएन शर्मा, आगरा से पवन शर्मा एडवोकेट, सुरेंद्र शर्मा, मुकेश जोशी, राममूर्ति शर्मा, गौरव मिश्रा,उत्तर प्रदेश युवा ब्राह्मण परिषद के अध्यक्ष शैलेंद्र शर्मा एडवोकेट सहित विभिन्न पदाधिकारियों ने विचार प्रकट किए। संचालन राष्ट्रीय संगठन सचिव अश्विनी तिवारी ने किया। धन्यवाद ज्ञापन राजस्थान ब्राह्मण महासभा के अध्यक्ष आरएस जैमिनी ने और वरिष्ठ उपाध्यक्ष मोहन प्रकाश शर्मा ने स्वागत किया।

विद्युत और जल संकट से वृंदावन में त्राहिमाम

यूनिक समय, वृंदावन। उमस भरी गर्मी में विद्युत और जल संकट से लोग त्राहिमाम –त्राहिमाम करते नजर आ रहे हैं। हर महीने निर्धारित तारीख पर बिल का भुगतान करने के बाद भी विद्युत आपूर्ति सुचारू नहीं मिल पा रही है और जल शुल्क अदा करने के बाद जलापूर्ति पूरी मिल रही है। विद्युत की अघोषित कटौती और जल संकट को लेकर घरों से महिला बाहर निकल रही है। उनका कहना है कि वह घरों के अंदर कैसे काम करें। न तो विद्युत है और न ही पानी गौरानगर कालोनी, राधा निवास क्षेत्र, गोशाला नगर, किशोरपुरा, केशीघाट और कैलाश नगर कालोनी समेत अन्य क्षेत्रों के लोग परेशान है। उनका कहना है कि उमस भरी गर्मी में दिन तो जैसे तैसे कट जाता है, लेकिन रात काट मुश्किल हो जाता है। रात के वक्त तो बिजली बार–बार आती जाती रहती है। विद्युत आपूर्ति सुचारु न होने के कारण जलापूर्ति पर बड़ा प्रभाव पड़ता है। प्रभावित क्षेत्रों के दिनेश कुमार, चंदन सिंह, सुरेश चंद, सावित्री का कहना है कि इस बार तो गर्मी में बिजली ने रुला दिया है।